भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

12 अगस्त - 18 अगस्त 2026

jagrukjanta.net

श्रावण, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अमावस्या, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-24, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

एयर टैक्सी (उड़न खटोला) फिर दिखने की आई बारी

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

धर्म ग्रंथ, शास्त्रों में उड़ने का इतिहास किसी से छिपा नहीं है। उड़न खटोला हम आम भाषा में प्रयोग भी करते हैं। इतिहास में इसका प्रयोग होना बताया गया है। आज फिर एक बार भारतीय आकाश में इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी सेवा का सपना साकार होने की ओर बढ़ चला है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने विश्वास जताया है कि भारत में 2028 तक इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी सेवा शुरू हो जाएगी। इस उभरती तकनीक के जमीनी परीक्षण में अगले साल तेजी आ जाएगी। बेंगलुरु में एक आधुनिक उपक्रम सरला एविएशन के नए मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर नायडू ने पूरे उत्साह से सूचित किया कि ये एयर टैक्सी वास्तव में इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग (ईवीटीओएल) यान होगी। ऐसे यान या एयर टैक्सी का इस्तेमाल भारत के भीड़ भरे महानगरों के ज्यादा मुफीद होगा। इन शहरों की सड़कों पर अक्सर जाम की स्थिति रहती है। जब किसी को जल्दी होगी, तब एयर टैक्सी काम आएगी। कबड्डी खेलने बराबर जगह पर यह टैक्सी आसमान से जमीन पर सीधे उतर सकेगी और सीधे ऊपर उठकर मंजिल की ओर उड़ सकेगी। गौर करने की बात है, सरला एविएशन ने एयर टैक्सी के मॉडल तैयार किए हैं और अगले साल कंपनी परीक्षण का काम शुरू कर देगी। टैक्सी के विकास और परीक्षण पर सरकार की पूरी नजर है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय व विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) परीक्षण, सुरक्षा और नियमों पर उद्योग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एयर टैक्सी के आकार-प्रकार को मंजूरी मिल गई है। कोई आश्चर्य नहीं, इसमें ड्रोन, हेलीकॉप्टर और पारंपरिक विमान की तकनीक का समायोजन होगा। 'पावर्ड लिफ्ट के रूप में वर्गीकृत इस टैक्सी में पायलट सहित छह लोग सवार हो सकेंगे। इसमें सात इलेक्ट्रिक मोटर का इस्तेमाल होगा। छह मोटर इसे ऊपर उठाने या उठाए रखने के साथ ही नीचे लाने का काम करेंगे, जबकि एक मोटर इसे आगे बढ़ाने या पीछे करने के लिए समर्पित रहेगा। यह टैक्सी किसी प्रकार के तरल या गैस ईंधन से नहीं, सुरक्षित ऊर्जा- इलेक्ट्रिक या बैटरी से चलेगी। इसके अलावा इसमें एक ऐसे जनरेटर को जोड़ने की सुविधा शामिल की जा सकती है, जिससे चलते-उड़ते इसकी बैटरी को चार्ज करना संभव हो जाएगा। यह एक बेहतरीन नवाचार है।

shivdayalmishra@gmail.com

राष्ट्रपति मुर्मु ने वंदे मातरम् के अपमान को अपराध बनाने वाले विधेयक को दी मंजूरी

वंदे मातरम् का अपमान अब अपराध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उस विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या उसे रोकने को अपराध बनाया गया है। इस कानून के तहत वंदे मातरम् को वही कानूनी संरक्षण मिलेगा, जो वर्तमान में राष्ट्रगान को प्राप्त है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 कानून बन गया है। लोकसभा में 30 जुलाई 2026 को यह विधेयक पारित हुआ था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी। इस कानून के तहत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा प्राप्त है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लालकिले की प्राचीर से वंदे मातरम् गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन को जानबूझकर रोकना या ऐसे गायन में शामिल किसी सभा में व्यवधान डालना प्रतिबंधित था। इन अपराधों के लिए 3 साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। वहीं, दूसरी ओर उसके बाद की प्रत्येक दोषसिद्धि पर कम से कम एक साल की जेल की सजा का प्रावधान था। हालांकि, पुराने कानून में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को इसी तरह का कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं था।

विद्याधर नगर मंदिर मोड से पानीपेच की मुख्य सड़क पर जे.पी. कॉलोनी के आगे सिंगल हुई सड़क पर वाहनों का दबाव

दो सड़क को एक और एक को भी सकड़ा कर दिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर जयपुर का एक प्रमुख और सुव्यवस्थित रिहायशी व व्यावसायिक क्षेत्र माना जाता है। इसका नाम जयपुर के मुख्य वास्तुकार श्री विद्याधर भट्टाचार्य के नाम पर रखा गया है।

यह क्षेत्र अपनी बेहतरीन प्लानिंग, सेक्टर-आधार व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जाता है। यहां की चौड़ी-चौड़ी सड़के व्यवस्थित भवन निर्माण अपने आप में अनूठे हैं। इसके उलट विद्याधर नगर मंदिर मोड से आरपीए, पानीपेच, चाँदपोल, रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली मुख्य सड़क अपने बढ़ते वाहनों के दबाव के कारण अपनी स्थिति का दर्द बयां कर रही है। विद्याधर नगर मंदिर मोड से सैक्टर-4 तक मुख्य सड़क दो भागों में विभाजित है। इसके आगे जे.पी. कॉलोनी की मुख्य सड़क सिर्फ एक ही लाइन में वाहनों का दबाव झेल रही है। बीते कुछ महीनों पहले यहां सड़क को दो भागों में विभाजित करने का कार्य शुरू किया गया था। जिसकी बैलगाड़ी से भी धीमी चाल के बाद अंततः अभी कार्य बंद है। वहीं एक लाइन की मुख्य सड़क को पहले से भी सकड़ा करते हुए 8 से 10 फीट का फुटपाथ बनाकर सड़क का दम ही घोट दिया गया है।

सीकर रोड को शहर से जोड़ती सड़क

सीकर रोड से विद्याधर नगर होते आरपीए, पानीपेच, चांदपोल, रेलवे स्टेशन व शहर के अन्य क्षेत्रों को जोडने वाले मंदिर मोड के इस मार्ग पर वाहनों का अच्छा खास दबाव है। यहाँ खेतान हॉस्पिटल से बियानी कॉलेज होते हुए राजस्थान पुलिस अकादमी की मुख्य सड़क भी जुड़ती है। जिससे यहां रिहायशी वाहनों के साथ-साथ अन्य बड़े व्यवसायिक वाहन व बड़ी बसें भी निरन्तर चलती है।

विद्यार्थियों के लिए जोखिम भरा मार्ग

मंदिर मोड से राजस्थान पुलिस अकादमी तक का क्षेत्र शिक्षण संस्थानों से भरा हुआ है। ऐसे में यहां हजारों विद्यार्थियों का प्रतिदिन अलसुबह आना-जाना रहता है। सिंगल सड़क होने के चलते वाहनों के दबाव के बीच स्कूली विद्यार्थी पैदल ही सड़क पार करने को मजबूर है।

व्यवसायिक दृष्टिकोण के मुख्य मार्ग

शहर के बड़े व्यवसायिक क्षेत्र विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल एरिया को अन्य क्षेत्रों से जोडने में भी मंदिर मोड का यह मार्ग अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वकर्मा क्षेत्र के साथ-साथ अन्य कई व्यवसायिक वाहन भी इस सड़क का उपयोग करते हैं।

स्लीपर बसों की आवाजाही

जे.पी. कॉलोनी के आगे एक लाइन की सड़क पर अलका सिनेमा व आरपीए रोड पर किशन बाग के आसपास क्षेत्र में लग्जरी व व्यवसायिक बसों के जमावड़े से यह मार्ग अति व्यवस्त मार्ग बन गया है। यहां से सिंधी कैम्प, पोलोविक्ट्री क्षेत्र की ओर आने-जाने वाली बसें आसानी से देखी जा सकती है। इसके अलावा सीकर रोड़ से चौमूं पुलिया पर ट्रेफिक दबाव के चलते स्लीपर बसों के साथ-साथ रोडवेज बसें भी इसी मार्ग से गुजर रही है।

स्थानीय निवासियों की पीड़ा

जे.पी. कालोनी के अलावा नया खेड़ा, जगदम्बा कॉलोनी, एलएस नगर, मदनबाड़ी क्षेत्र के स्थानीय निवासी इस एक लाइन की सकड़ी सड़क पर वाहनों के दबाव से काफी परेशान है। विद्यालय समय और शाम के समय तो यहां पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। आसपास के स्कूलों की छुट्टी होने के साथ ही यहां बच्चों की अच्छी-खासी भीड़ देखी जा सकती है। ऐसे में छोटे बच्चें पैदल ही व्यस्त सड़क पार करने का मजबूर है।

तिराहा बना एक्सीडेंट कॉर्नर

जे.पी. कॉलोनी, लाल डिब्बा के नाम से प्रसिद्ध तिराहा, एक्सीडेंट कॉर्नर बनकर रह गया है। यहां मंदिर मोड से आने वाला ट्रेफिक और खेतान-बियानी कॉलेज की ओर से आने वाला ट्रेफिक एक साथ जे.पी. कॉलोनी की पतली सी मुख्य सड़क पर आकर मिलता है। ऐसे में कई बार बड़े व छोटे वाहन आपस में टकरा जाते हैं। यहां तीन दिशाओं से निरन्तर वाहनों की आवाजाही रहती है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन, 15 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण

पाण्डुलिपियों के वैज्ञानिक अध्ययन से आयुर्वेद की ज्ञान परंपरा होगी मजबूत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुर्वेद दिवस समारोह के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के आयुर्वेद पाण्डुलिपि विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। 7 और 8 अगस्त को आयोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन ज्ञान-भारतम् के सहयोग से किया गया। "पाण्डुलिपि-परख आयुर्वेद-वाङ्मय अनुसंधानः पाठविमर्श एवं तुलनात्मक वाङ्मय-अध्ययन का व्यावहारिक अनुशीलन" विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को आयुर्वेद की प्राचीन पाण्डुलिपियों के अध्ययन, संरक्षण, पाठ-संशोधन और वैज्ञानिक संपादन का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में प्रोफेसर हेमंता कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में युवा शोधकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यशाला में प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग शोध कार्य में करने का आह्वान किया।

प्रो. असित के. पांजा ने कहा कि आयुर्वेद की प्राचीन पाण्डुलिपियां हमारी महत्वपूर्ण ज्ञान-संपदा हैं। इनके व्यवस्थित अध्ययन और वैज्ञानिक संपादन से प्रामाणिक ज्ञान को सुरक्षित रखा जा सकता है। प्रो. अनीता शर्मा ने पाण्डुलिपियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण और वैज्ञानिक संपादन की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. सर्वेश अग्रवाल ने शोधार्थियों को मूल पाण्डुलिपियों के अध्ययन और शोध की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. निशा गुप्ता ने भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए पाण्डुलिपि अध्ययन और शोध के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विशेषज्ञों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने पाण्डुलिपियों में मौजूद अलग-अलग पाठों की पहचान, पुराने लेखन की समझ, लिप्यंतरण, पाठ-संशोधन और आलोचनात्मक संपादन की जानकारी दी। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। डॉ. प्रवीण कुमार बी., डॉ. विद्याधीश काशीकर, डॉ. राकेश नारायण वी. (CCRAS, नई दिल्ली) और डॉ. भुवनेश शर्मा (CCRAS, जयपुर) ने विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण दिया। शोध में AI टूल्स के उपयोग तथा पाण्डुलिपियों के संपादन की आधुनिक तकनीकों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

महन्त बालयोगी सूरजदास जी महाराज ने किए हाथोज धाम में दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महन्त बालयोगी सूरजदास जी महाराज (हनुमानगढ़ी, अयोध्या धाम) ने हाथोज धाम पधारकर श्री दक्षिणमुखी बालाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हाथोज धाम ट्रस्ट की ओर से बालाजी का चित्र एवं दुपट्टा पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया। पूज्य संतों का सान्निध्य सनातन धर्म, संस्कार एवं आध्यात्मिक परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

स्वामी करपात्री जी महाराज की जन्म-जयंती समारोह के पोस्टर का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री राधे कलेक्शन पर धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज की पावन जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विद्वत संगोष्ठी, विद्वज्जन सम्मान एवं गौ-पूजन समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज के धर्म, दर्शन, वेद-वेदांत एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी करपात्री जी महाराज का संपूर्ण जीवन सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा और जनजागरण के लिए समर्पित रहा। उनकी जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यह समारोह उनके विचारों, आदर्शों एवं धर्मनिष्ठ जीवन से समाज को प्रेरणा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

निकाय चुनाव : 19 अगस्त को लग सकती आचार संहिता!

जयपुर @ जागरूक जनता। निकाय चुनाव आचार संहिता पर लेटेस्ट अपडेट सामने आया है। अब जानकार सूत्रों के हवाले से खबर आई है कि 19 अगस्त को निकाय चुनावों की आचार संहिता लग सकती है। चुनावी प्रक्रिया से पहले आरक्षण की लॉटरी का सिलसिला शुरू होगा। 13 अगस्त को महापौर, सभापति और चेयरमैन पदों के लिए आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी। 17 अगस्त को नगरीय निकायों के पार्षद वार्डों के आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी। इसी दिन जिला प्रमुख और पंचायत समिति सदस्यों से संबंधित आरक्षण प्रक्रिया भी पूरी होगी. 18 अगस्त को सरपंच और वार्ड पंचों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी. यानी इसके बाद 19 अगस्त को आचार संहिता लागू होने की संभावना है।

49 फीसदी तक बढेंगे प्रॉपर्टी रेट, बापू बाजार सबसे महंगा इलाका

जयपुर में जमीन की कीमतों में भारी उछाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में जमीन और मकान खरीदना अब और महंगा हो गया है। सरकार की ओर से डीएलसी रेट में बढ़ोतरी के बाद न केवल रजिस्ट्री की लागत बढ़ेगी, बल्कि बाजार में जमीन और प्रॉपर्टी की कीमतों पर भी असर पड़ेगा। सरकार ने डीएलसी दरों में 5 प्रतिशत से लेकर 49 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। अधिकांश इलाकों में यह वृद्धि 5 से 20 प्रतिशत के बीच रही है, जबकि जिन क्षेत्रों में डीएलसी रेट बाजार भाव से काफी कम थे, वहां 30 से 49 प्रतिशत तक का बड़ा इजाफा किया गया है। दरअसल, मई महीने में सरकार ने सभी जिलों से नई डीएलसी दरों के प्रस्ताव मांगे थे। जून के अंतिम सप्ताह तक वित्त विभाग ने इन प्रस्तावों पर विचार किया और 3 अगस्त से नई दरें लागू कर दी गई हैं। इससे पहले 1 अप्रैल 2026 को भी डीएलसी रेट में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी।

ये हैं जयपुर में डीएलसी की नई दरें

राजधानी जयपुर में चारदीवारी क्षेत्र का बापू बाजार सबसे महंगा इलाका बनकर उभरा है। यहां 40 से 60 फीट चौड़ी सड़क पर स्थित जमीन की डीएलसी दर 5,71,780 रुपए प्रति वर्गमीटर तय की गई है। इसके अलावा रामबाग चौराहे से अजमेरी गेट तक 100 फीट चौड़ी सड़क के दोनों ओर स्थित कॉमर्शियल जमीन की डीएलसी दर अब 3 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर हो गई है।

जानिए राजधानी के अन्य इलाकों में क्या रहेंगी कीमतें

पिंकसिटी के कई इलाकों में डीएलसी रेट बढ़ाई गई है। इनमें जमना विहार न्यू (49%), नंदपुरी (48%), मॉडल टाउन और जगतपुरा (48%), जेएलएन मार्ग के आस पास (48%), जवाहर सर्किल टर्मिनल-2 (48%), मदरामपुरा वेस्ट (46%), महेश मार्ग और सी-स्कीम (46%), भारतेंदु नगर (45%), आरपीए रोड स्थित संजय नगर (45%), विकास नगर (एयरपोर्ट) (44%) और सोडाला क्षेत्र की मुख्य हवा सड़क (43%) शामिल हैं। जयपुर से सटे सैटेलाइट टाउन में भी जमीन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चौमूं, चाकसू, कालवाड़, जोबनेर, बगरू, बस्सी, फागी, बिचून और दूदू जैसे क्षेत्रों में कॉमर्शियल जमीन की डीएलसी दरें अब 30 हजार से 50 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर तक पहुंच गई हैं। चौमूं के आदित्य नगर में कॉमर्शियल जमीन की दर 35,200 से बढ़कर 52,800 रुपए प्रति वर्गमीटर तक पहुंच गई है, जबकि अनाज मंडी क्षेत्र में यह 40,700 से 48,840 रुपए प्रति वर्गमीटर के बीच हो गई है।

इससे पहले भी हो चुकी है कई बार बढ़ोतरी

डीएलसी दर वह सरकारी निर्धारित न्यूनतम बाजार मूल्य होता है, जिस पर जमीन या संपत्ति की रजिस्ट्री की जाती है। यह दर आवासीय और वाणिज्यिक श्रेणियों के अनुसार अलग-अलग तय होती है और सड़क की चौड़ाई के आधार पर भी इसमें अंतर होता है। जमीन की खरीद-फरोख्त की रजिस्ट्री इसी दर या उससे अधिक पर ही की जा सकती है, जबकि भूमि अधिग्रहण के मुआवजे का निर्धारण भी इसी आधार पर किया जाता है। राज्य सरकार ने दिसंबर 2024 में 5 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि की थी। जबकि 1 अप्रैल 2026 को 10 प्रतिशत का इजाफा किया गया था।

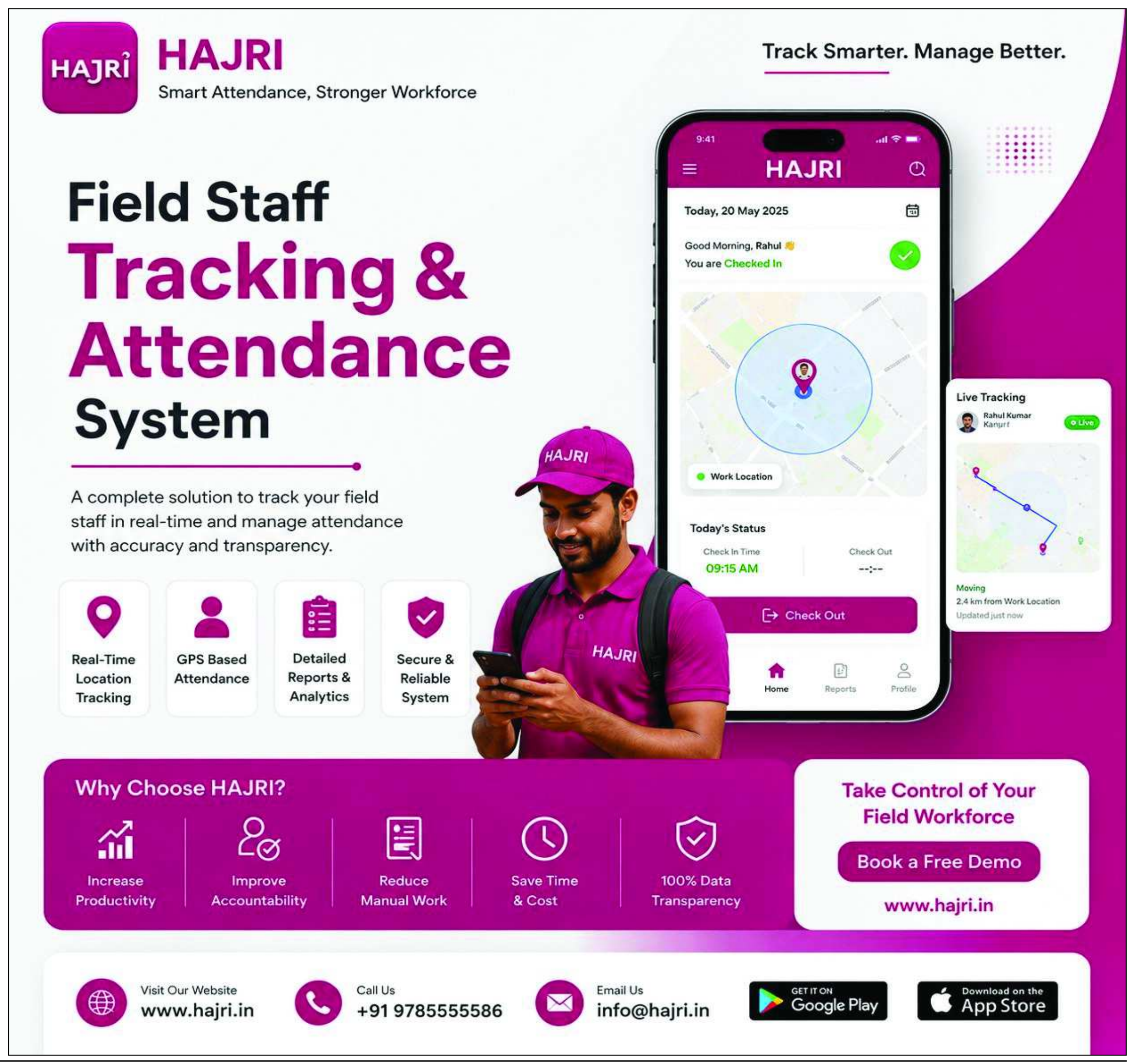

कॉमनवेल्थ में गोल्ड मेडलिस्ट अरुंधति चौधरी और यशवीर सिंह का सम्मान

अब तक 186 खिलाड़ियों को मिलीं नियुक्तियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया। साथ ही प्रदेश के 3540 खिलाड़ियों को करीब 52 करोड़ की प्रोत्साहन और सहायता राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। अब तक 186 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां भी दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन हुआ। इस दौरान 7 शहरों 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

सीएम ने इन खिलाड़ियों को बताया राजस्थान का गौरव

मुख्यमंत्री कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई प्रदेश के गौरव हैं। इनसे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों, परिजनों और सहयोगियों के त्याग और समर्पण ने इनकी सफलताओं की नींव रखी है।

मुख्यमंत्री ने की अरुंधति चौधरी और यशवीर सिंह की तारीफ

सीएम ने कहा, "अरुंधति चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में गोल्ड और यशवीर सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा अपना स्थान बना लेती है। शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में राहुल शर्मा ने गोल्ड, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक, संध्या विश्नोई ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर प्रतिभा और सामर्थ्य का शानदार प्रदर्शन किया है। इन सभी ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है और राजस्थान का नाम भी गौरव के साथ स्थापित किया है।"

खेलो इंडिया से स्पोर्ट्स को मिलेगी नई दिशा

उन्होंने कहा कि देश में खेलों का मजबूत वातावरण बना है, गांव-गांव से प्रतिभा की पहचान हो रही है और उसे विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ रुपये के खेलो इंडिया से खेलो को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा सुविधा और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम, 50 खेलो इंडिया केन्द्र भी स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। इसी उद्देश्य से स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की गई है। उन्होंने कहा कि खेल उपकरणों की खरीद पर लगभग 18 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। वहीं, 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित कर खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण, खेल सामग्री और प्रशिक्षकों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

एसएमएस स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित किया जा रहा है। राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर पदक लाने के लिए राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम शुरू की गई है। इसी प्रकार पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का भी आयोजन किया जाएगा।

प्रशासन विभाग ने संबंधित विभागों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

19 से 22 तक ब्रिक्स देशों के पर्यटन कार्य समूह और पर्यटन मंत्रियों की होगी बैठकें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के अंतर्गत राजधानी जयपुर में 19 से 22 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय 'ब्रिक्स पर्यटन बैठकों' की तैयारियों को लेकर सोमवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन ने की।

जैन ने चार दिवसीय आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय कर निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि आयोजन का सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा, स्वागत-सत्कार एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

10 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इस सम्मेलन में मेजबान भारत के साथ ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के पर्यटन मंत्री, नीति-निर्माता एवं वरिष्ठ राजनयिक भाग लेंगे। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन विभाग को इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के सफल संचालन हेतु नोडल विभाग नियुक्त किया गया है, जो केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय तथा राज्य के विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस व नागरिक निकायों के साथ समन्वय स्थापित कर तैयारियों में जुटा है।

सत्र की सुरक्षा एवं सामान्य व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

16वीं विधानसभा के षष्ठम सत्र की तैयारियां जोरों पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का षष्ठम सत्र दिनांक 20 अगस्त से आरंभ होने जा रहा है। सत्र के सफल, सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए विधानसभा सचिवालय द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सत्र के दौरान विधान सभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, पार्किंग, प्रवेश-निकास, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा, अग्निशमन तथा अन्य सामान्य व्यवस्थाओं को लेकर भी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर सोमवार को विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने षष्ठम सत्र से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सत्र के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा एवं सामान्य प्रबंधों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विधानसभा परिसर में वाहनों के प्रवेश एवं निकास, निर्धारित पार्किंग स्थलों, सत्रकालीन वाहन प्रवेश-पत्र, पैदल प्रवेश-निकास, आगंतुकों एवं प्रतिनिधिमंडलों के प्रवेश, सुरक्षा जांच, अग्निशमन एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री एवं मंत्रिगण से मिलने आने वाले प्रतिनिधिमंडलों के प्रवेश की व्यवस्था संबंधित मंत्री की सहमति के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किए जाने पर भी चर्चा हुई। विस सचिवालय द्वारा सत्र के दौरान सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों, मीडिया एवं आगंतुकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला का किया पूजन

सनातन संस्कार-संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन का बनेगा प्रमुख केंद्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला का विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मंदिर भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना के साथ ही सनातन संस्कार, शास्त्र और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का केंद्र बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री ने भगवान कृष्ण और भगवान शिव के ब्रज आगमन से जुड़े पौराणिक प्रसंग को साझा किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति भक्ति, सेवा एवं करुणा के साथ सकारात्मक जीवन जीने तथा मानव कल्याण का मार्ग दिखाती है। हम सभी को इसी मार्ग पर अग्रसर होते हुए समाज और राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया। साथ ही, गुप्त वृन्दावन धाम द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और सेवा कार्यों की भी सराहना की। इस अवसर पर विधायक कैलाश वर्मा, गुप्त वृन्दावन धाम के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री का उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद

उद्योगपतियों और निवेशकों का प्रदेश में भरोसा मजबूत बना है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जिससे उद्योगपतियों और निवेशकों का भरोसा मजबूत बना है और प्रदेश में निवेश आकर्षित हो रहा है। इस दौरान उन्होंने राजस्थान में निवेश की संभावनाओं और विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में विस्तार की योजनाओं को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री बेंगलुरु में उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यवसाय अनुकूल माहौल से मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान की औद्योगिक नीतियों, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता और पारदर्शी प्रक्रियाओं के जरिए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के साथ-साथ निवेश को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री से विभिन्न निवेशकों ने नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाने और मौजूदा कामकाज को बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। इनमें सेमीकंडक्टर और एआई-बेस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, एयरोस्पेस और डिफेंस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, कॉपर प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन प्रोजेक्ट्स, एमएसएमई के लिए इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल पार्क, बायो-एनर्जी और एग्री-इनोवेशन पार्क, टेक्निकल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, फुटवियर प्रोडक्शन यूनिट्स, कोल्ड-चेन और रेफ्रिजरेशन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम, रबर रीसाइक्लिंग प्रोजेक्ट्स, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स और जीसीसी ऑपरेशन्स से संबंधित प्रमुख प्रस्ताव शामिल थे।

ऊर्जा 2026 के दूसरे दिन ज्ञान, प्रेरणा और आध्यात्मिकता का दिखा अनूठा संगम

नई स्किल्स और भाषाएं सीखकर ग्लोबल अवसरों से जुड़ें-डॉ. राधिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस की ओर से नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'ऊर्जा 2026' के दूसरे दिन का आगाज नए अंदाज के साथ किया गया। इस अवसर पर 'ऊर्जा' के ऑरेंज रंग के स्वरूप को समझने के लिए सभी विद्यार्थियों ने ऑरेंज रंग के वस्त्र पहन कार्यक्रम में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का एहसास जगाया। इस वर्ष 'द नेक्स्ट यू' थीम के तहत कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत चैयरमेन डॉ. राजीव बियानी, प्रसिद्ध मोटिवेशनल गुरु डॉ. संजय बियानी ,अस्सिटेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी , अस्सिटेंट डायरेक्टर सीए साक्षी बियानी , डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने दीप प्रज्जवलित कर की।

इस अवसर पर प्राचार्य एवं डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए अमीर-गरीब होना नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में तैयारी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिचकिचाहट व हीन भावना दूर कर अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिदिन कम से कम चार घंटे अध्ययन, सुबह जल्दी उठने और समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निराशा और फ्रस्ट्रेशन युवाओं को कमजोर करते हैं, जबकि सकारात्मक सोच, शिक्षा और कौशल विकास उन्हें सही दिशा प्रदान करते हैं। रोजगार के अवसरों की कमी से उत्पन्न निराशा अपराध जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़कर अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं मोहित बत्रा ने अपनी पुस्तक 'रोडलेस ट्रैवल' के माध्यम से जीवन के अनुभवों और चुनौतियों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने अपनी जीवन यात्रा साझा करते हुए कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों को रुकावट नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने सपनों पर विश्वास रखने तथा साहस, निरंतर प्रयास और सीखने की भावना के साथ उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. राधिका बियानी डागा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बियानी ग्रुप के जापान के साथ 25 वर्षों से चले आ रहे मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जापान में सात संस्थानों के साथ एमओयू किए गए हैं, जो विद्यार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर सीखने और नए अवसरों से जुड़ने का माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नई स्किल्स और विदेशी भाषाएं सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सीखने की शुरुआत अपने क्लासरूम, विभाग और कॉलेज से ही होती है। उन्होंने तीन वर्षीय सफर में पहले वर्ष 'एक्सप्लोर', दूसरे वर्ष 'पार्टीसिपेट' और तीसरे वर्ष 'क्रिएट और कनेक्ट' पर जोर दिया।

हैकिंग्ली के संस्थापक और सीईओ अवनी श्रीवास्तव ने कहा कि फाइनेंशियल लिटरेसी केवल पैसों को समझने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण लाइफ स्किल है, जो हमें आर्थिक रूप से स्वतंत्र और जिम्मेदार बनाती है। विद्यार्थियों को समय प्रबंधन के साथ-साथ उद्यमिता की समझ विकसित करनी चाहिए, ताकि वे भविष्य में बेहतर वित्तीय निर्णय ले सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर खेमराज शर्मा ने कहा कि वन केवल पेड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के आधार हैं। विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के साथ सहजीविता तथा जैव विविधता की महत्ता को समझना चाहिए। वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर ही हम पर्यावरण के साथ संतुलित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित

कृषि विभाग में बनेगा एग्रीस्टैक कमिश्नरेट

प्रदेश में शीघ्र ही लागू होगा फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एग्रीस्टैक के तहत फॉर्मर रजिस्ट्री, फॉर्मर आईडी, डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ डेटा सिंक्रोनाइजेशन, एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण, एमएसपी पर खरीद तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक का उद्देश्य डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के साथ कृषक को उसकी भूमि, फसल एवं कृषि सेवाओं से संबंधित सुविधाएं एकीकृत एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ एग्रीस्टैक के सभी निर्धारित माइलस्टोन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कृषकों के पंजीकरण को अभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों में विशेष फील्ड विजिट, संभागवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं प्रशिक्षण तथा कृषि पर्यवेक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के साथ इसे निरंतर अद्यतन रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा शेष कृषकों को एसएमएस, समाचार पत्रों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक 87,44,842 कृषक पंजीकृत हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 96.95 प्रतिशत है। राज्य को एग्रीस्टैक से संबंधित कार्य पूर्ण करने पर अब तक 737 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हुई है। मुख्य सचिव ने कृषक रजिस्ट्री एवं राजस्व अभिलेखों के बीच नियमित एवं स्वचालित समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

शिक्षा व्यवस्था की डगर

देश में परीक्षा-प्रणाली में सुधार की मांग व्यापक छात्र आंदोलन के बाद तेज हुई है। छात्र पेपर लीक से कहीं अधिक नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने से आक्रोशित थे। दरअसल, उपलब्ध तथ्यों और जांच के आधार पर सरकार और एनटीए ने स्वयं पूरे देश की नीट यूजी परीक्षा रद्द कर फिर से इसे कराने का फैसला लिया था। राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार इस परीक्षा को पूरी तरह निरस्त करना छात्रों को ज्यादा नागवार गुजरा। हालांकि, हमें भावना से अधिक तथ्यों को समझना चाहिए। नीट के माध्यम से विभिन्न मेडिकल, आयुष सहित सभी पाठ्यक्रमों के लिए लगभग दो लाख सीटें उपलब्ध होती हैं, जबकि परीक्षा में करीब 23 लाख परीक्षार्थी बैठते हैं। इसका मतलब है कि लगभग 21 लाख अभ्यर्थियों को हर वर्ष निराशा हाथ लगती ही है। यह विशाल वर्ग अनेक बार शिक्षा माफिया, राजनीतिक स्वार्थों और देश-विरोधी तत्वों के लिए भावनात्मक रूप से सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। अभिभावकों को यह सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए कि अधिकतम सात-आठ प्रतिशत परीक्षार्थियों को ही सफलता मिल सकती है। शेष की असफलता उनकी प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि सीमित अवसरों का परिणाम है। दुर्भाग्य से, अत्यधिक सामाजिक और पारिवारिक दबाव के कारण कुछ परीक्षार्थी खुदकुशी जैसा दुखद कदम तक उठा लेते हैं। पेपर लीक जैसे संगठित अपराधों को भी यही असंतुलन जन्म देता है। जब दांव बहुत बड़ा हो और सीटें सीमित हों, तब कुछ लोग अपने बच्चों को किसी भी तरह प्रवेश दिलाने का प्रयास करते हैं। यहां कोचिंग उद्योग के एक वर्ग की भूमिका की भी गंभीर जांच होनी चाहिए। आंदोलन की शुरुआती धार बड़े पैमाने पर कोचिंग संस्थानों के डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कक्षाओं और सोशल मीडिया अभियानों से आती दिखी थी। यदि इनकी गतिविधियों, इनके वित्तीय स्त्रोतों और आपसी समन्वय की निष्पक्ष जांच की जाए, तो इस पूरे घटनाक्रम के पीछे काम कर रही वास्तविक शक्तियों का पता चल सकता है। ऐसी गतिविधि में यदि कोई व्यक्ति, संस्था या संगठित नेटवर्क शामिल पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार ने 2024 में भी पेपर लीक को गंभीर माना था। तब सीबीआई जांच हुई थी, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई और न्यायिक प्रक्रिया भी चली। ऐसी स्थिति में 2026 में उसी मुद्दे को लेकर एक बड़ा आंदोलन करना, अराजकता का वातावरण बनाना, असामाजिक तत्वों का सक्रिय होना और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की नौबत कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि पेपर लीक को अनदेखा कर दिया गया होता, तो शायद यह विवाद इतना बड़ा नहीं बनता; पर सरकार ने कार्रवाई का रास्ता चुना। एक और महत्वपूर्ण पक्ष पर विचार होना चाहिए। हर वर्ष सरकार नए मेडिकल कॉलेज खोल रही है और निजी क्षेत्र भी लगातार क्षमता बढ़ा रहा है, लेकिन केवल अभ्यर्थियों की संख्या देखकर सीटें बढ़ा देना समस्या का समाधान नहीं है। प्रत्येक नई मेडिकल सीट के लिए योग्य शिक्षक, शिक्षण अस्पताल, क्लीनिकल एक्सपोजर, इंटर्नशिप, पीजी सीटें और भविष्य में रोजगार की भी आवश्यकता होती है। यदि गुणवत्ता और राष्ट्रीय जरूरत की उपेक्षा कर केवल सीटें बढ़ाई जाएंगी, तो भविष्य में बेरोजगार डॉक्टरों और कमजोर चिकित्सा शिक्षा का नया संकट खड़ा हो सकता है। इसलिए समाधान संतुलित, गुणवत्तापूर्ण और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार में है। हालिया आंदोलन युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा छल भी हो सकता है। यदि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा संगठित दबाव समूहों की सफलता के रूप में देखा जाए, तो भविष्य में ऐसे तत्वों का मनोबल और बढ़ेगा।

अब कुछ सवाल है, जिन्हें उठाया जाना बहुत जरूरी है। सबसे पहला सवाल तो कॉकरोचों पर है। इनकी गैंग रांची में प्रदर्शन करने क्यों नहीं गई? क्या रांची में पेपर बिकना छात्रों की समस्या नहीं है? असल में कॉकरोच गैंग का प्रदर्शन सलेक्टिव है। ये उसी राज्य में प्रदर्शन करेंगे, जहां भाजपा की सरकार होगी।

कटघरे में खड़े करने ही होंगे देशविरोधी तत्व

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

- वामपंथियों, कांग्रेसियों, दिपके की कॉकरोच गैंग, टुकड़े-टुकड़े और डफली गैंग, बॉलीवुड के अधिकतर भांडों, अरविंद केजरीवाल, योगेंद्र यादव और राकेश टिकैत जैसे लोगों के विरोध-प्रदर्शन सलेक्टिव हैं। ये ईमानदार नहीं हैं। इनसे सवाल पूछा जाना जरूरी है। इन्हें कटघरे में खड़ा करना जरूरी है। देशहित में ऐसा करना जरूरी भी है।

झारखंड की राजधानी रांची में प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द करने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे छात्र आंदोलन को देशविरोधी टुकड़े-टुकड़े गैंग की समर्थक आइसा की नेहा बोरा ने हाईजैक करने की कोशिश की। इस पर छात्रों ने न केवल उसे मंच से नीचे उतारा, बल्कि एक छात्र ने बोरा पर स्याही फेंक कर मुंह काला कर दिया। बोरा मंच पर भाजपा और आरएसएस के खिलाफ नारे लगा रही थी, जबकि झारखंड में सरकार इंडी अलायंस की कांग्रेस समर्थित जेएमएम की है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं। इसी तरह कॉकरोच जनता पार्टी के दिपके गैंग के समर्थक बिरयानी वाले जुनैद ने भी प्रदर्शन में घुसने की कोशिश की। इस पर जुनैद से जब मीडिया ने सवाल किए, तो वह भागता नजर आया। यह घटनाएं बताती हैं कि रांची के छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को देशविरोधी गैंग हाईजैक करने की कोशिश में लग गए हैं। हालांकि रांची के छात्रों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे प्रदर्शन को देशविरोधी ताकतों के हाथों में नहीं जाने देंगे और संविधान के दायरे में रहकर अपना विरोध जारी रखेंगे।

रांची में प्रदर्शन को जारी होते हुए आधे महीने से ज्यादा का समय हो गया है। कई छात्र भूख हड़ताल पर भी बैठे हुए हैं, जिनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही है। इसके बावजूद किसी भी छात्र ने न तो देशविरोधी काम किया है और ना ही वामपंथी गैंग की तरह आजादी के नारे लगाए हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि रांची में छात्र ही आंदोलन कर रहे हैं, जबकि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों से ज्यादा अराजक तत्व प्रदर्शन कर रहे थे। उनका एक ही मकसद था भाजपा का विरोध करना और पीएम नरेंद्र मोदी को गाली देना। इनका साथ वामपंथी संगठनों और कांग्रेस ने भी भरपूर दिया, जबकि रांची में न तो कांग्रेसी पहुंच रहे हैं और ना ही दिपके गैंग। यहां यह समझना बहुत जरूरी है कि कॉकरोच जनता पार्टी असल में आम आदमी पार्टी की बी टीम है, जिसका मकसद आंदोलनों की आड़ में भाजपा और पीएम मोदी का विरोध करना है। छात्र उनके लिए केवल बहाना है। इन्होंने अपने आंदोलन के नाम पर सोनम वांगचुक से भूख हड़ताल करवा ली और बाद में उन्हें अकेला छोड़ दिया।

नीट पेपर लीक के खिलाफ कॉकरोचों के प्रदर्शन के बाद भाजपा ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा दिलवा दिया। ऐसा करके भाजपा ने गलत परंपरा की शुरुआत की, जिसके परिणाम बाद में दिखाई देंगे। जंतर-मंतर पर छात्रों को ढाल बनाकर टुकड़े-टुकड़े गैंग ने जमकर उत्पात मचाया। इन्होंने वाहनों में तोड़फोड़ की और पुलिसकर्मियों से मारपीट की। रिपोर्ट बताती हैं कि इनके प्रदर्शन में 2800 से ज्यादा अपराधी भी शामिल हुए, जिनकी पहचान दिल्ली पुलिस ने की।जुनैद जैसे लोगों ने पूरे प्रदर्शन के दौरान मुफ्त में बिरयानी खिलाई। वामपंथी मीडिया ने इस प्रदर्शन की किसी भी गलत बात को नहीं दिखाया, जबकि इस दौरान जमकर उत्पात मचाया गया। वहीं मुख्यधारा की मीडिया ने इनके कारनामे उजागर किए, तो दिपके गैंग ने पत्रकारों के खिलाफ जमकर हूटिंग की और उन्हें प्रदर्शन को कवर करने से रोका। बॉलीवुड की भाजपा विरोधी गैंग ने भी इस प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रदर्शन के समाप्त होने पर नेहा बोरा का तो यहां तक कहना था कि दुनिया हमारे प्रदर्शन को भाजपा शासन की समाप्ति की शुरुआत होने के तौर पर याद रखे। इससे ही इस प्रदर्शन की मंशा का पता लगाया जा सकता है।

आपको एक और बात याद दिलाना चाहता हूं। राजस्थान में पिछली सरकार कांग्रेस की अशोक गहलोत की थी। इसमें शिक्षा मंत्री गोविंद डोटासरा थे। इस सरकार में दर्जनभर से अधिक पेपर लीक हुए, जिसके खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया और वाटर कैनन चलाई गई। कई छात्र बुरी तरह घायल हुए। इस बारे में जब डोटासरा से सवाल किया गया, तो उन्होंने दो बातें कहीं। पहली, पेपर मैं नहीं कराता, बल्कि एजेंसियां कराती हैं। इसलिए पेपर लीक का जिम्मेदार मैं नहीं हूं। दूसरी, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज नहीं करती, तो क्या उन्हें लड्डू खिलाती? यह कांग्रेस की मानसिकता रही। खास बात यह भी रही कि यहां विरोध करने के लिए न राहुल गांधी आए और ना ही कोई टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य। बॉलीवुड गैंग से भी किसी की आवाज नहीं निकली। न वामपंथियों ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा और ना ही किसी ने गहलोत सरकार को गाली दी। इन सभी बातों से आप कांग्रेस सरकार और उसके नुमाइंदों की हकीकत का अंदाजा आसानी से लगा सकते हैं।

अब आते हैं वापस रांची के छात्र आंदोलन पर। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। झारखंड की सोरेन सरकार में सरकारी नौकरियों के बिकने की रेट फिक्स होने के खिलाफ यह प्रदर्शन है। छात्रों की मांग हाल ही में हुई जेपीएससी और अन्य सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं को निरस्त करने की है। आंदोलन में देशभक्ति गीत गाए जा रहे हैं। किसी को गाली नहीं दी जा रही है। छात्रों का कहना है कि पद की गरिमा होती है, हम इसका पूरा ध्यान रख रहे हैं। कहीं पर भी आजादी के नारे नहीं लग रहे हैं। देशविरोधी तत्वों को न तो मंच पर जगह दी जा रही है और ना ही उन्हें प्रदर्शन में घुसने दिया जा रहा है। डफली गैंग का भी बहिष्कार किया गया है। मुख्यधारा का मीडिया भी इस प्रदर्शन को पूरी तरह कवर कर रहा है। छात्र भी पत्रकारों को पूरा सम्मान दे रहे हैं। छात्रों ने सीएम सोरेन से बातचीत के लिए 11 सदस्यों का डेलिगेशन बनाया है। इसमें एक वकील और दो पत्रकार भी शामिल हैं। कुल मिलाकर पूरा प्रदर्शन बेहद शांत तरीके से चल रहा है। कहीं पर भी कोई भी देशविरोधी हरकत नहीं हो रही है। सबसे बड़ी बात छात्र ही प्रदर्शन कर रहे हैं, ना कि जंतर-मंतर की तरह अधिकतर अधेड़ देशविरोधी अराजक तत्व।

(ये लेखक के अपने विचार है)

प्रकृति की चेतावनी है असम की बाढ़

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही अतिवृष्टि, विनाशकारी बाढ़ और जानलेवा भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं, जो इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि देश एक गंभीर पर्यावरणीय संकट से गुजर रहा है। इस साल एक बार फिर असम भी भयावह बाढ़ की चपेट में है, जहां मरने वालों का आंकड़ा करीब सौ के करीब तक पहुंच गया है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यह संकट केवल एक राज्य की प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि बदलते वैश्विक पर्यावरण और मानवीय भूलों का एक साझा संकेत है, जो बार-बार प्रकृति की पूरे देश को दी जा रही एक गंभीर चेतावनी बन रहा है।

जलवायु परिवर्तन का बढ़ता प्रकोप कुछ यूं असरदार है कि मानसून का पारंपरिक चक्र बदल चुका है। कम समय में अचानक होने वाली अत्यधिक मूसलाधार बारिश की घटनाएं बढ़ गई हैं। जब एक साथ भारी मात्रा में पानी बरसता है, तो धरती को उसे सोखने का समय नहीं मिलता, जिससे मैदानी इलाकों में अचानक सैलाब आ जाता है। जो राज्य कभी पानी की कमी या सूखे के लिए जाने जाते थे (जैसे राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्से), आज वहां भी रिकॉर्ड तोड़ बारिश और बाढ़ देखी जा रही है। यह पर्यावरण के असंतुलन को दर्शाती है। अनियोजित विकास की सीमाएं भी इसकी जिम्मेदार बनी हैं जैसे नदियों के प्राकृतिक रास्तो में दखल और कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर। इसके कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण के कारण नदियों का फैलाव क्षेत्र सिमट गया है।

यदि हमने प्रकृति की इस चेतावनी को अब भी अनसुना किया और विकास की अंधी दौड़ में नदियों, जंगलों और पहाड़ों के प्राकृतिक संतुलन को नष्ट करना जारी रखा, तो वह समय दूर नहीं जब देश के अन्य हिस्सों को भी इसी तरह की विभीषिका का सामना करना पड़ेगा। हम प्रकृति पर विजय पाने की जिद छोड़कर प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व के सिद्धांत को अपनाएं।

हाल के वर्षों में भारत ने साल के लगभग 99 फीसदी दिनों में किसी न किसी कोने में चरम मौसम का सामना किया है। यदि हमने प्रकृति की इस चेतावनी को अब भी अनसुना किया और विकास की अंधी दौड़ में नदियों, जंगलों और पहाड़ों के प्राकृतिक संतुलन को नष्ट करना जारी रखा, तो वह समय दूर नहीं जब देश के अन्य हिस्सों को भी इसी तरह की विभीषिका का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के अनुसार, 1954 से असम में लगातार हर साल बाढ़ का संकट देखा जा रहा है, जिसमें 2020, 2022 और वर्तमान वर्ष 2026 की बाढ़ सबसे विनाशकारी रही है। वर्ष 2020 में राज्य के 33 में से 30 जिले प्रभावित हुए। लगभग 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए और 120 से ज्यादा लोगों की जान गई। वर्ष 2022 में 35 में से 32 जिले और 5,500 से अधिक गांव डूबे। करीब 55 लाख लोग प्रभावित हुए और बड़े पैमाने पर कृषि भूमि नष्ट हुई। वर्ष 2026 में अत्यधिक बारिश और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण अब तक अनुमानित सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों लोग प्रभावित हुए हैं तथा कई जिले हाई अलर्ट पर हैं।

दरअसल असम में दशकों पुराने तटबंध अब पानी के इस अप्रत्याशित दबाव को झेलने में सक्षम नहीं हैं। यह देश के अन्य हिस्सों के लिए भी चेतावनी है कि बिना वैज्ञानिक आधार के बनाए गए बांध या इंफ्रास्ट्रक्चर विनाश को निमंत्रण देते हैं। पड़ोसी पहाड़ी राज्यों (जैसे नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश) में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और अवैध खनन से मिट्टी का कटाव बढ़ा है। पहाड़ों से बहकर आने वाली गाद (मिट्टी) नदी के तल में जमा हो जाती है, जिससे नदियां उथली हो जाती हैं और थोड़ा सा पानी बढ़ते ही उफान पर आ जाती हैं। सरल शब्दो में कहें तो पर्यावरण किसी राज्य की सीमा या नक्शे को नहीं पहचानते। असल में असम की भौगोलिक स्थिति एक कटोरे के निचले हिस्से जैसी है, जहां ऊपर के पहाड़ी राज्यों में होने वाली किसी भी पर्यावरणीय छेड़छाड़ का सीधा असर असम के मैदानों पर पड़ता है।

असम की बाढ़ पूरे देश के लिए सबक है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतर-राज्यीय और समग्र नीति का होना कितना ज़रूरी है। ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, भारत जलवायु खतरों से प्रभावित होने वाले शीर्ष देशों में शामिल है। इन आपदाओं के कारण आर्थिक व सामाजिक मोर्चे पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसमें पहला है कृषि पर संकट, जहां लाखों हेक्टेयर फसलें पानी में डूब जाती हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। दूसरा है जीडीपी को झटका, जिसमें बुनियादी ढांचे (सड़कें, पुल, बिजली नेटवर्क) के नष्ट होने से देश को अरबों डॉलर का वित्तीय नुकसान हो रहा है।

वह क्या है, जिसके बिना सब कुछ अधूरा है?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अगर हम इस दुनिया को ध्यान से देखें तो दुःख के कई कारण दिखाई देते हैं। किसी के पास जरूरत के अनुसार पैसा नहीं है, किसी के पास पर्याप्त नींद नहीं है, कोई अपने प्रिय व्यक्ति को जीवन में पाना चाहता है लेकिन सामाजिक या आर्थिक परिस्थितियाँ इसकी अनुमति नहीं देतीं। कोई नौकरी पाना चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई अच्छा खाना-पीना चाहता है, कहीं घूमना चाहता है, लेकिन किसी न किसी कारण से वह ऐसा नहीं कर पाता। ये सभी दुःख हैं और इन्हें छोटा नहीं कहा जा सकता।

अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

लेकिन अगर हम अपने जीवन को थोड़ा गहराई से देखें, तो एक सवाल सामने आता है, इन सबके अलावा वह कौन-सा दुःख है, जो व्यक्ति को भीतर से धीरे-धीरे खोखला और बेजान करता जा रहा है? आज हमारे पास पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाएँ हैं, आरामदायक बिस्तर, ए.सी., कूलर, मनोरंजन और यात्रा के साधन तथा जरूरत की बहुत-सी चीजें हैं। फिर भी बेचैनी, खालीपन और असंतोष हमारे जीवन का हिस्सा क्यों बना हुआ है? आइये जानते हैं!

इससे बड़ा जिंदगी का बोझ शायद और क्या होगा कि व्यक्ति हर रात सोते समय यह सुकून महसूस न कर पाए कि उसने पूरे दिन कुछ उपयोगी और सार्थक किया है और सुबह उठने पर भी उसे यह पता न हो कि आज उसे ऐसा क्या करना है, जिससे उसके दिन की कोई वास्तविक उपयोगिता हो। धीरे-धीरे उसके भीतर यह सवाल पैदा होने लगता है, मेरे होने या न होने से क्या फर्क पड़ता है? मेरे जीवन का क्या योगदान है? मेरे होने से मेरे परिवार, समाज या दुनिया को क्या मिल रहा है? जब इन सवालों के जवाब नहीं मिलते, तो जीवन बाहर से सुविधाजनक होते हुए भी भीतर से खाली होने लगता है। हम दिनभर व्यस्त रहते हैं, लेकिन यह महसूस नहीं कर पाते कि हमारी व्यस्तता का कोई सार्थक उद्देश्य भी है। कई बार समाज हमें समझाता है कि अगर हमारी एक खास नौकरी लग जाए तो सब ठीक हो जाएगा। हम वह नौकरी हासिल भी कर लेते हैं। आय शुरू हो जाती है, सुविधाएँ बढ़ती हैं और दिन व्यस्त रहने लगता है। लेकिन कुछ समय बाद सवाल सामने आता है, क्या सच में मेरा सदुपयोग हो रहा है? हो सकता है हमारा उपयोग हो रहा हो, हमारी जिंदगी व्यस्त हो गई हो, लेकिन क्या हमारी क्षमता सही दिशा में लग रही है? केवल जिंदगी का कटते जाना और जिंदगी का सार्थक रूप से जीना, दोनों एक ही बात नहीं हैं। हम जितनी चाहें तस्वीरें खींच लें, जितनी जगह घूम लें, जितनी सुविधाएँ जुटा लें और जितना मनोरंजन कर लें, अगर हमें यह स्पष्ट नहीं है कि मैं क्यों हूँ और मेरे होने से क्या बेहतर हो रहा है, तो भीतर का एक अधूरापन हमारा पीछा करता रहेगा। एक समय के बाद इंसान को ऐसे उद्देश्य की आवश्यकता होती है, जिसके कारण वह अपने दिन की उपयोगिता महसूस कर सके और यह देख सके कि उसके होने से उसके परिवार, समाज और दुनिया को क्या मिल रहा है। यह उद्देश्य किसी एक पेशे तक सीमित नहीं है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम दुनिया के लिए क्या कहलाते हैं; महत्वपूर्ण यह है कि हम जो कर रहे हैं, उसमें हमारी क्षमताओं का कितना सही और सार्थक उपयोग हो रहा है। इसलिए हमें स्वयं से पूछना चाहिए, क्या दिन के अंत में मुझे यह संतोष है कि आज मेरा होना मेरे परिवार, समाज या किसी और के लिए उपयोगी रहा, या मैंने केवल अपने दुःख और खालीपन को कुछ समय के लिए कम करने के तरीके खोजे?

जब हम इन सवालों को ईमानदारी से समझना शुरू करते हैं, तब धीरे-धीरे नए रास्ते दिखाई देने लगते हैं। हम ऐसे विकल्प खोज पाते हैं जिनमें हमारी आर्थिक आवश्यकताएँ भी पूरी हों और एक इंसान के रूप में अपने जीवन का सदुपयोग करने की आवश्यकता भी। तब करियर केवल पैसा कमाने का माध्यम नहीं रहता, बल्कि हमारे योगदान का माध्यम बन जाता है। जैसे गुरुत्वाकर्षण का आविष्कार नहीं किया गया था, उसे खोजा गया था, वह पहले से मौजूद था। उसी तरह हर इंसान के भीतर हर दिन को सही से सही चीज़ के लिए उपयोग करने की चाह और योगदान करने की गहरी इच्छा पहले से मौजूद होती है। जरूरत है तो केवल उसे पहचानने की।

ओपिनियन : वर्तमान शिक्षा पद्धति में नागरिकों का दायित्व

शिक्षा से संस्कार और संस्कार से राष्ट्र निर्माण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की आधारशिला होती है। विद्यालय और विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि वे ऐसे नागरिकों के निर्माण की प्रयोगशालाएं हैं, जिनके विचार, व्यवहार और कर्म आने वाले समाज की दिशा तय करते हैं। आज जब तकनीक तेजी से बदल रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन का हिस्सा बन रही है और रोजगार की प्रकृति लगातार बदल रही है, तब शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे विवेकशील, संवेदनशील, जिम्मेदार और लोकतांत्रिक नागरिक तैयार करना है जो अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझें। भारत की वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा को अधिक समग्र, बहुविषयक, कौशल आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। लेकिन किसी भी शिक्षा नीति की सफलता केवल सरकार, विद्यालयों अथवा शिक्षकों के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए समाज और प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

शिक्षा केवल विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं

हम अक्सर बच्चों की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी विद्यालय और शिक्षक पर डाल देते हैं। यह दृष्टिकोण अधूरा है। बच्चा विद्यालय में कुछ घंटे बिताता है, लेकिन परिवार और समाज से वह प्रतिदिन जीवन के अनेक संस्कार ग्रहण करता है। वह बड़ों का व्यवहार देखकर सीखता है, सार्वजनिक स्थानों पर लोगों का आचरण देखकर सीखता है और समाज में कानून तथा व्यवस्था के प्रति लोगों का रवैया देखकर सीखता है। यदि हम बच्चे से ईमानदारी की अपेक्षा करते हैं, लेकिन स्वयं नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो हमारी शिक्षा पुस्तकों तक सीमित रह जाती है। यदि हम स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकते हैं, तो बच्चा हमारे शब्दों से अधिक हमारे व्यवहार को स्वीकार करेगा। इसलिए वर्तमान शिक्षा पद्धति में नागरिकों का पहला दायित्व है कि वे अपने आचरण को बच्चों की पहली पाठशाला बनाएं।

अधिकारों के साथ कर्तव्यों की समझ

भारतीय लोकतंत्र ने प्रत्येक नागरिक को अनेक मौलिक अधिकार प्रदान किए हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता, स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे अधिकार लोकतंत्र की मजबूती के आधार हैं। लेकिन अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी उतना ही आवश्यक है। संविधान के अनुच्छेद 51A में नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है। संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों और संस्थाओं का सम्मान करना, देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करना, पर्यावरण की रक्षा करना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना–ये केवल संविधान की पंक्तियां नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के व्यावहारिक मूल्य हैं। शिक्षा व्यवस्था में इन कर्तव्यों को केवल परीक्षा के प्रश्न के रूप में पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों का दायित्व है कि वे बच्चों को इनका व्यवहारिक अर्थ समझाएं।

तकनीक के युग में डिजिटल नागरिकता

आज का विद्यार्थी किताबों के साथ-साथ मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भी सीख रहा है। सूचना की उपलब्धता अभूतपूर्व है, लेकिन गलत सूचना की चुनौती भी उतनी ही बड़ी है। ऐसे समय में अभिभावकों और समाज की जिम्मेदारी बढ़ गई है। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर सूचना सत्य नहीं होती। किसी संदेश को बिना जांचे आगे बढ़ाना, अफवाह फैलाना, किसी व्यक्ति की निजी जानकारी सार्वजनिक करना या सोशल मीडिया पर अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना डिजिटल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि गैर-जिम्मेदाराना नागरिक व्यवहार है। नागरिकों को बच्चों में डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल नैतिकता विकसित करनी होगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवीय विवेक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर लेकर आई है। विद्यार्थी जानकारी प्राप्त करने, भाषा सीखने, शोध करने और अपनी रचनात्मकता विकसित करने में इसका उपयोग कर सकते हैं। लेकिन यदि तकनीक सोचने की क्षमता का स्थान लेने लगे तो शिक्षा का मूल उद्देश्य कमजोर हो सकता है। इसलिए नागरिकों का दायित्व है कि वे बच्चों को तकनीक का उपयोग करने के साथ-साथ प्रश्न पूछना, तर्क करना, तथ्य जांचना और स्वयं निर्णय लेना सिखाएं। मशीन सूचना दे सकती है, लेकिन सही और गलत के बीच नैतिक निर्णय मनुष्य को ही करना होगा।

शिक्षक के सम्मान की संस्कृति

शिक्षा व्यवस्था की सफलता में शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। दुर्भाग्य से अनेक स्थानों पर शिक्षक के प्रति सम्मान की भावना कमजोर हुई है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के सामने शिक्षक और विद्यालय की गरिमा बनाए रखें तथा किसी समस्या की स्थिति में संवाद का रास्ता अपनाएं। इसका अर्थ यह नहीं कि शिक्षक की हर बात को बिना प्रश्न स्वीकार किया जाए। स्वस्थ शिक्षा व्यवस्था में प्रश्न, संवाद और आलोचनात्मक चिंतन आवश्यक हैं। लेकिन आलोचना और अवमानना के बीच अंतर समझना भी नागरिक संस्कार का हिस्सा है।

शिक्षा में समान अवसर

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है–गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच। आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अनेक बच्चों को समान अवसर नहीं मिल पाते। समाज के सक्षम नागरिकों का दायित्व है कि वे शिक्षा से वंचित बच्चों की सहायता करें। पुस्तकें उपलब्ध कराना, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देना, डिजिटल संसाधनों तक पहुंच बनाने में सहयोग करना और स्थानीय स्तर पर पुस्तकालय या अध्ययन केंद्र विकसित करना–ये छोटे प्रयास बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

मातृभाषा, भारतीय ज्ञान और आधुनिकता

आधुनिक शिक्षा का अर्थ जड़ों से कट जाना नहीं है। भारत की भाषाएं, लोकपरंपराएं, दर्शन, साहित्य, कला, विज्ञान और ज्ञान परंपरा हमारी सांस्कृतिक पूंजी हैं। नागरिकों का दायित्व है कि वे बच्चों को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ अपनी भाषा और संस्कृति से भी जोड़ें। अंग्रेजी सीखना उपयोगी हो सकता है, लेकिन मातृभाषा के प्रति हीन भावना पैदा करना शिक्षा का उद्देश्य नहीं हो सकता। हमें ऐसा विद्यार्थी चाहिए जो विश्व से संवाद कर सके और अपनी जड़ों को भी पहचानता हो।

पर्यावरण शिक्षा को व्यवहार से जोड़ना होगा

आज पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। विद्यालयों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं, यदि समाज के लोग वृक्षों की रक्षा के प्रति संवेदनशील न हों। जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, स्वच्छता और जैव विविधता की रक्षा जैसे विषयों को नागरिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे वही सीखेंगे जो समाज उनके सामने व्यवहार के रूप में प्रस्तुत करेगा।

लोकतंत्र की पाठशाला परिवार से शुरू होती है

लोकतंत्र केवल मतदान का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है–मतभिन्नता का सम्मान, संवाद की संस्कृति, कानून के प्रति विश्वास और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का सम्मान। यदि परिवार में असहमति को अपमान समझा जाता है, तो बच्चे लोकतांत्रिक संवाद कैसे सीखेंगे? यदि समाज में विचार अलग होने पर व्यक्ति को शत्रु समझ लिया जाता है, तो शिक्षा में पढ़ाए गए सहिष्णुता के पाठ का क्या अर्थ रह जाएगा?

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 12/08/2026

सूर्योदय : 06:00 **सूर्यास्त :** 19:02 **चन्द्रोदय :** 05:12 **चन्द्रास्त :** 18:58 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **अमान्ता महीना :** आषाढ़ा **पूर्णिमांत :** श्रावण **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** कर्क **सूर्य नक्षत्र :** अश्लेषा **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अमावस्या, 23:08 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5127 वर्ष।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुष्य, 07:57 तक
योग : व्यतिपाता, 15:23 तक
प्रथम करण : चतुष्पदा, 12:30 तक
द्वितीय करण : नागा, 23:08 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:23 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:44 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:38 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:03 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:03 पी एम से
अमृत काल	4:38 एएम, अगस्त 13 से
निशिता मुहूर्त	12:05 ए एम, अगस्त 13 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर
कुंभ चक्र: कंठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:59 - 07:37	उद्वेग : 19:01 - 20:24
अमृत	: 07:37 - 09:15	शुभ : 20:24 - 21:46
काल काल वेला	: 09:15 - 10:53	अमृत : 21:46 - 23:08
शुभ	: 10:53 - 12:30	चर : 23:08 - 00:31
रोग वार वेला	: 12:30 - 14:08	रोग : 00:31 - 01:53
उद्वेग	: 14:08 - 15:46	काल : 01:53 - 03:15
चर	: 15:46 - 17:24	लाभ : 03:15 - 04:38
लाभ	: 17:24 - 19:01	उद्वेग : 04:38 - 06:00

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अमावस्या

आज कौन सा कार्य करें

अमावस्या को पितृ कार्य और शल्य क्रिया करके उनमे सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण, कृष्ण, अमावस्या, 2083 बुधवार, 12 अगस्त - 18 अगस्त, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र- 2023 की प्रगति की समीक्षा बैठक

संकल्प पत्र में किये गए प्रत्येक वादे को प्राथमिकता से समय पर करें पूरा

विभागीय अधिकारियों से लिया योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति का फीडबैक

घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के दिये निर्देश

लगभग 73 प्रतिशत योजनाएं धरातल पर साकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र- 2023 की लंबित घोषणाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जाए। साथ ही प्रगतिरत योजनाओं का भी शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र की घोषणाएं आमजन के कल्याण और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को केन्द्र में रखकर की गई हैं। इनके शीघ्र पूरा होने से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पायदान है।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को शासन सचिवालय में आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र- 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की तृतीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संकल्प पत्र में सम्मिलित विभिन्न घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा- निर्देश प्रदान किये। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति के बारे में फीडबैक लिया तथा आगामी कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही -गत समीक्षा बैठक में दिये गए निर्देशों की अनुपालना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर अद्यतन करें। उन्होंने संकल्प पत्र की लंबित योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों के संबंध में भी अधिकारियों के साथ चर्चा की तथा उनकी शीघ्र क्रियान्विति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। डॉ. बैरवा ने कहा कि संकल्प पत्र में किये गए प्रत्येक वादे को प्राथमिकता से शुरू कर निर्धारित समय सीमा में क्रियान्वित किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलम्ब नहीं हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लिए भूमि आवंटन के मामलों के निपटारे के लिए संबंधित विभाग साथ मिलकर काम करें, ताकि सभी विकास योजनाएं समय पर शुरू हो सकें और जनता को उनका लाभ जल्द मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को विभाग के स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिये।

बैठक में मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने अधिकारियों से कहा कि संकल्प घोषणा पत्र की लगभग 73 प्रतिशत योजनाएं धरातल पर उतर गई हैं। शेष योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं की क्रियान्वयन में एक से अधिक विभाग शामिल हैं, वे आपसी समन्वय से कार्य योजना बनाकर योजनाओं को शीघ्र पूरा करना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने मुख्य रूप से ऑटो एवं टैक्सी चालकों का आयुष्मान भारत, पीएम-जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम- सुरक्षा बीमा योजना आदि योजनाओं के अन्तर्गत 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पिंक टॉयलेट योजना, शहर में पार्किंग व्यवस्था, सोलर पार्कों की स्थापना, खेल आधुनिकीकरण, खुशीराम बास्केटबॉल अकादमियों की स्थापना, खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन, झुग्गी झोंपडियों में वाटर एटीएम की स्थापना आदि विभिन्न घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और इनके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह योजनाएं सीधे जनता से जुड़ी हैं। अधिकारी इनकी शीघ्र क्रियान्विति सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को इनका शीघ्र लाभ सुनिश्चित हो सके।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आनन्द कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजी लाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी हेमन्त कुमार गेरा, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव, राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग टी. रविकांत, प्रमुख शासन सचिव, परिवहन विभाग भवानी सिंह देथा, शासन सचिव, सहकारिता विभाग समित शर्मा, शासन सचिव आयोजना रवि कुमार सुरपुर, शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती पूनम, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान अक्षय उर्जा निगम लिमिटेड डॉ. रोहित गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

लेहरिया फेस्ट में नन्हे कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। Empress Club द्वारा आयोजित लेहरिया फेस्ट में नन्हे कलाकारों ने मनमोहक कथक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में अभिनेत्री पारुल चौहान एवं श्वेता मेहता मोदी उपस्थित रही। दोनों सेलिब्रिटी अतिथियों ने बच्चों की शानदार प्रस्तुति की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। नन्हे कलाकारों ने अपनी लय, भाव-भंगिमाओं और आत्मविश्वास से सभी को प्रभावित किया। राजस्थान की संस्कृति और शास्त्रीय नृत्य के सुंदर संगम ने इस प्रस्तुति को विशेष बना दिया।

सचिवालय मे खाद्य मंत्री ने किया जयपुर के महेन्द्र सिंह का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 'गिव अप' अभियान चलाया गया था। जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से सक्षम एवं अपात्र लोगों को स्वेच्छा से राशन सहायता छोड़ना था ताकि जरूरतमंद गरीबों को योजना का लाभ मिल सके। अभियान के तहत करीब 95 लाख लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ भी छोड़ा है। अभियान मे जागरूक लोगों ने ऐसे सक्षम लोगों को प्रेरित भी किया। जयपुर पांच्यावला निवासी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने अपनी निजी स्कार्पियो गाडी पर 'गिव अप' अभियान के पोस्टर लगाकर करीब 36000 किलोमीटर का सफर तय किया। उन्होंने प्रदेशभर मे पम्पलेटस बांटकर संपन्न लोगों को खाद्य सुरक्षा लाभ स्वेछा से छोड़ने के लिए प्रेरित किया, ताकि वास्तविक लोगों को इसका फायदा मिल सके। महेन्द्र सिंह राजपुरोहित के सम्मान मे शासन सचिवालय मे विशेष कार्यक्रम रखा गया। जिसमे खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने उनका सम्मान किया। इस दौरान गोदारा ने उनके इस निस्वार्थ जनसेवा के जज्बे को पूरे समाज के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक बताया। वही महेंद्र सिंह ने भी मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रहित और जन जागरूकता का उनका यह अभियान आगे भी इसी तरह निरंतर जारी रहेगा।

सनराइज सिटी में 1 से 7 अक्टूबर तक होगा श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। सनराइज सिटी, निवारू रोड, झोटवाड़ा में द्वितीय सामूहिक विशाल आयोजन के अंतर्गत श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। कथा का वाचन श्रीमद्भागवत के सरस प्रवक्ता परम पूज्य श्री गोपाल नंदन जी महाराज के श्रीमुख से किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य कॉलोनीवासियों एवं श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक संदेश, भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति तथा भारतीय सनातन संस्कृति से जोड़ना है। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन को संस्कार, सदाचार, भक्ति और सकारात्मक दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक उत्सव है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं भक्ति के विभिन्न प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर सनराइज सिटी के समस्त निवासियों एवं श्रद्धालु परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

सांस्कृतिक मूल्यों और संकल्प के साथ संस्कृती चिल्ड्रन्स एकेडमी में नशा मुक्ति अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संस्कृती चिल्ड्रन्स एकेडमी में आज नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से मुख्य अतिथि अरविंद कुमार रुंगटा ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, संस्कारवान और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के प्रिंसिपल अशोक कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार, आत्मअनुशासन, विवेक और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज की छोटी-सी सही आदत ही भविष्य के मजबूत व्यक्तित्व की नींव बनती है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित सदस्यों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

सप्ताहांत में वाणिज्यिक कर विभाग की राज्यव्यापी कार्रवाई

निर्माण, वस्त्र, आतिथ्य एवं विनिर्माण क्षेत्रों में कर अनियमितताओं के कई मामले उजागर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा सप्ताहांत के दौरान कर चोरी, अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तथा अन्य कर अनियमितताओं के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, पाली, चूरू, श्रीगंगानगर तथा बीकानेर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में सर्वे एवं जांच कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य, वस्त्र उद्योग, रेस्टोरेंट एवं आतिथ्य, सुरक्षा सेवाओं तथा विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े कई मामलों में अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट, निरस्त पंजीकरण वाले करदाताओं से खरीद, कर देयता कम दर्शाने तथा अन्य कर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। जोधपुर जिले के ओसियां स्थित मारुधर कंस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध की गई कार्रवाई में पात्रता से अधिक एवं अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट के उपयोग का मामला सामने आया। जांच के दौरान लगभग 42 लाख रुपए की संभावित कर अनियमितता चिन्हित हुई तथा करदाता ने लगभग 38.57 लाख रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई। पाली स्थित कृष्णा टेक्सटाइल में प्रारंभिक जांच के दौरान निरस्त एवं फर्जी फर्मों से प्राप्त इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया। लगभग 13.97 लाख रुपए की संभावित कर अनियमितता चिन्हित होने पर करदाता ने 1.50 लाख रुपए की कर राशि तथा दंड की राशि स्वेच्छा से जमा कराई तथा शेष राशि जमा कराने के लिए समय का अनुरोध किया। चूरू जिले के रतनगढ़ स्थित श्री बालाजी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स में लगभग 50 लाख रुपए के अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया। प्रारंभिक जांच में निरस्त पंजीकरण वाले करदाता से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के संकेत मिले हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

उदयपुर स्थित ओमेगा लीजर लाउंज प्राइवेट लिमिटेड में रेस्टोरेंट सेवाओं पर अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने तथा रिवर्स चार्ज दायित्व का पालन नहीं करने के संकेत मिले।

डॉ सेठिया ने की रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के चेयरमैन डा आई एम सेठिया ने तीन दिवसीय मुंबई प्रवास में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा से मुलाकात कर सहकारिता और अर्बन बैंकिंग क्षेत्र में हो रही विकास यात्रा की व्यापक चर्चा की और नई शाखा खोलने हेतु प्रदत्त स्वायत्तता के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक शाखा के लिए न्यूनतम नेटवर्थ व पूंजी की सीमा दो करोड़ के बजाय एक करोड़ करने के निवेदन के साथ ही चित्तौड़ के विकास की पुरानी यादों को ताजा किया। डा सेठिया ने मल्होत्रा को अर्बन बैंक की वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तिका और पाक्षिक मीरांयन की प्रति भेंट कर उनको चित्तौड़गढ़ आने का निमंत्रण भी दिया। डा सेठिया ने तीन दिवसीय मुंबई प्रवास में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदय जोशी, अंब्रेला संगठन के अध्यक्ष ज्योतींद्र मेहता व मुख्य कार्यकारी पी के चतुर्वेदी, रिजर्व बैंक के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक पी के अरोड़ा, एल एंड टी व शापूर जी पालन जी के सीएफओ रहे प्रदीप सेठिया, थायसन ग्रुप के टैक्सेशन हेड सचिन कुलकर्णी, भारत वायर रोप्स लिमिटेड चेयरमैन व प्रबंध निदेशक मुरारी लाल मित्तल, प्रमुख उद्यमी संजय डांगी, ललित काबरा, व अशोक काबरा,सीए अशोक हुंडिया आदि से मुलाकात कर बैंकिंग, व्यापार व औद्योगिक क्षेत्र के संदर्भ में चर्चा की। सेठिया ने देश के गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में अंब्रेला संगठन द्वारा आयोजित सहकार नवक्रांति कार्यक्रम में भी भाग लेकर राजस्थान से प्रतिनिधित्व किया जिसमें देश भर के अर्बन बैंक के चेयरमैन और फेडरेशन प्रतिनिधियों से अमित शाह ने सीधा संवाद किया और केंद्र सरकार द्वारा अर्बन बैंको की मजबूती के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रदान की गई।

क्रिकेट संघ के प्रशासन ने कोर्ट में पेश किया शेड्यूल

अगले महीने होंगे RCA के चुनाव, 29 सितंबर को वोटिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) की चुनाव प्रक्रिया अगले महीने शुरू हो जाएगी। आरसीए चुनाव का नोटिस 7 सितंबर को जारी किया जाएगा। जबकि 29 सितंबर को मतदान हो सकते हैं। क्रिकेट संघ के प्रशासक भास्कर ए सावंत की ओर से एडवोकेट रवि भोजक ने कोर्ट में चुनावी कार्यक्रम पेश किया। इससे पहले 1 जुलाई को हाईकोर्ट ने पूर्व रणजी खिलाड़ी राजीव प्रताप सिंह की जनहित याचिका पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान आरसीए की एडहॉक कमेटी को निलंबित किया गया था। उसी दौरान, गृह सचिव (IAS) भास्कर ए. सावंत को प्रशासक नियुक्त करते हुए तीन महीने के भीतर चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन 29 जुलाई को भी चुनाव कार्यक्रम पेश नहीं किया गया था।

23 सितंबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

7 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम और जनरल मीटिंग का नोटिस जारी होने के बाद 12 से 16 सितंबर मतदाता सूची पर आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। 16 से 21 सितंबर तक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आपत्तियों की सुनवाई का समय रहेगा। इसके बाद 23 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

29 सितंबर को घोषित होंगे चुनाव के रिजल्ट

24 सितंबर को नामांकन दाखिल होंगे। अगले दिन 25 को नामांकन पत्रों की जांच के बाद पात्र उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी। उम्मीदवार 28 सितंबर तक नामांकन वापस ले सकेंगे। वहीं, आवश्यकता होने पर मतदान के लिए 29 सितंबर तारीख तय की गई है। ठीक उसी दिन यानी 29 सितंबर को ही क्रिकेट संघ के चुनाव के परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे।

पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने थी ये दलील

इससे पहले, याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि 29 जून 2024 को गठित एडहॉक कमेटी को केवल अस्थायी व्यवस्था के रूप में तीन महीने के भीतर चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बावजूद समय पर चुनाव नहीं कराए गए और कमेटी का कार्यकाल बार-बार बढ़ाया जाता रहा, जिससे अब तक निर्वाचित कार्यकारिणी का गठन नहीं हो सका।

लैंडस्केप पार्क की बदहाली सुधारने की सीएम से गुहार

जयपुर @ जागरूक जनता। पक्षियों के संरक्षण व संवर्धन में जुटी संस्था नीड़ की ओर से लैंडस्केप पार्क की बदहाली सुधारने के लिए सांकेतिक धरना दिया गया। धरने का नेतृत्व इस पार्क में नियमित प्रातःकालीन भ्रमण करने वाले 88 वर्षीय द्वारका प्रसाद ने किया।नीड़ के संयोजक अजीत तिवारी के अनुसार इस पार्क के एक हिस्से में शिल्पकारों व हस्तकारों के प्रदर्शन के लिए बनाए गए आधा दर्जन कियोस्क तोड़कर एक ही रेस्टोरेंट बनने से इसका मूल स्वरूप ही खत्म हो जाएगा। उन्होंने इन कियोस्क को तोड़कर खाली जमीन पर भी पेड़-पौधे लगाने, जंग खाकर खराब हो चुकी आधा दर्जन बैंचों को बदलने तथा दोषपूर्ण डिजाइन वाली रेलिंग की जगह से कुत्तों के झुण्ड आने से पक्षियों के बचाव हेतु जालीदार फेंसिंग अथवा कंटीले तार लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि 2-3 माहमें कुत्तों के झुंड ने घेरकर दो मोरनियों, दो उनके बच्चें व एक खरगोश का शिकार किया। उन्होंने बताया कि इस पार्क के पास स्थित आवासन मंडल व जे.डी.ए. की करीब 1500 वर्गमीटर बेशकीमती जमीन पर भूमाफिया द्वारा कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। इस बारे में शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही नहीं होने के कारण सांकेतिक धरना देने को मजबूर होना पड़ा है। इस धरने में करीब दो दर्जन, इस पार्क में प्रातःकालीन भ्रमण करने वाले महिला व पुरुष शामिल हुए। इसमें प्रभुलाल बैरवा, भगवान सिंह, कमल खत्री व एस. एस. दहिया आदि शामिल हैं।

प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल

राजस्थान में 183 RAS अधिकारियों के तबादले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार ने 183 राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल है, जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नगर निकायों और विभिन्न विभागों में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। कई अधिकारियों को रिक्त पदों पर भी पदस्थापित किया गया है। महावीर खराड़ी को अतिरिक्त आयुक्त (II), डीआरडी, उदयपुर लगाया गया है। जबकि पीयूष कुमार श्रीवास्तव को संयुक्त निदेशक, गैंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड, उदयपुर की जिम्मेदारी दी गई है। नरेश नुकर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) राजसमंद से अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) राजस्व न्यायालय पाली, डॉ. अशोक कुमार चतुर्वेदी को अतिरिक्त निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग (जयपुर) और हुकुमचंद को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, अलवर की जिम्मेदारी दी गई है।

इन अधिकारियों का तबादला

» राजवीर सिंह चौधरी को सचिव, नगर विकास न्यास, सीकर लगाया गया है.
» अशोक कुमार शर्मा-I को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, कोटपूतली-बहरोड़ नियुक्त किया गया है.
» अनिल कुमार शर्मा को जिला रसद अधिकारी, उदयपुर लगाया गया है.
» आलोक जैन को उप सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, जयपुर नियुक्त किया गया है.
» आकाश रंजन को सहायक आयुक्त (I), देवस्थान, जयपुर लगाया गया है.
» जगदीश प्रसाद गौड़ को उपखंड अधिकारी, हिंडौन (करौली) नियुक्त किया गया है.
» संजीव कुमार शर्मा को उपखंड अधिकारी, कोटड़ा एवं पदेन उप परियोजना अधिकारी (जनजाति), कोटड़ा (उदयपुर) लगाया गया है.
» ललित चंद मीणा को विशिष्ट सहायक, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उच्च शिक्षा विभाग, जयपुर नियुक्त किया गया है.
» ओम प्रकाश सहराण को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर), जोधपुर लगाया गया है.
» राजकुमार कस्वां को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, राजसमंद नियुक्त किया गया है।

फर्जी फर्मों के विरुद्ध वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई

137 फर्मों की जांच में 106 फर्में फर्जी पाई गईं, 547.58 करोड़ रुपए का कारोबार और 77.65 करोड़ रुपए का ITC संदेह के घेरे में

4.65 करोड़ रुपए की ITC राशि ब्लॉक– राज्य एवं केन्द्र क्षेत्राधिकार में कर अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा फर्जी एवं संदिग्ध फर्मों के माध्यम से कर चोरी तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के दुरुपयोग के विरुद्ध पूरे प्रदेश के 16 जॉन द्वारा मिलकर सोमवार को सुबह 10 बजे से देर रात तक चलाए गए अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्यवाहियां की गई। विभागीय जांच में कुल 137 फर्मों का परीक्षण किया गया, जिनमें 106 फर्में फर्जी पाई गई। इन फर्मों द्वारा किए गए कारोबार, ITC के उपयोग तथा उपलब्ध ITC लेजर की जांच में बड़े पैमाने पर कर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं।

106 फर्जी फर्मों का 547.58 करोड़ रुपए का कारोबार

विभागीय आंकड़ों के अनुसार चिन्हित 106 फर्जी फर्मों का कुल कारोबार 54,758.41 लाख अर्थात लगभग 547.58 करोड़ रुपए रहा। इन फर्मों से संबंधित 7,765.02 लाख (लगभग 77.65 करोड़) रुपए का ITC जांच के दायरे में पाया गया। वहीं इन फर्मों के ITC लेजर में उपलब्ध राशि 806.93 लाख रुपए रही तथा जांच के दौरान 464.94 लाख (लगभग 4.65 करोड़) रुपए की ITC राशि ब्लॉक की गई। इन 106 फर्मों में 78 फर्में राज्य क्षेत्राधिकार तथा 28 फर्में केन्द्र क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पाई गईं। राज्य क्षेत्राधिकार वाली 78 फर्मों का कारोबार 46,000.59 लाख तथा ITC संबंधित राशि 6,027.98 लाख रुपए रही, जबकि केन्द्र क्षेत्राधिकार की 28 फर्मों का कारोबार 8,757.82 लाख रुपए और ITC संबंधित राशि 1,737.04 लाख रुपए रही।

31 वास्तविक फर्मों में भी सामने आई कर अनियमितताएं

जांच के दौरान 31 वास्तविक फर्मों का भी परीक्षण किया गया। इन फर्मों का कुल कारोबार 1,892.62 लाख (लगभग 18.93 करोड़) रुपए रहा। इनसे संबंधित 225.83 लाख (लगभग 2.26 करोड़) रुपए का ITC जांच में शामिल रहा। इन फर्मों के ITC लेजर में उपलब्ध राशि 77.45 लाख रुपए रही तथा 17.60 लाख रुपए की ITC राशि ब्लॉक की गई। इनमें 25 फर्में राज्य क्षेत्राधिकार तथा 6 फर्में केन्द्र क्षेत्राधिकार से संबंधित हैं। राज्य क्षेत्राधिकार वाली फर्मों का कारोबार 1,250.70 लाख रुपए तथा केन्द्र क्षेत्राधिकार वाली फर्मों का कारोबार 641.92 लाख रुपए रहा। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा फर्जी पंजीयन, बिना वास्तविक कारोबार के इनवॉइस जारी करने, अपात्र ITC का लाभ लेने एवं आगे ट्रांसफर करने जैसी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। विभाग की तकनीकी एवं डेटा आधारित जांच के माध्यम से संदिग्ध फर्मों की पहचान कर उनके पंजीयन, कारोबार एवं ITC लेन-देन का सत्यापन किया जा रहा है। विभाग का उद्देश्य ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कर चोरी एवं फर्जी ITC के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाना है। संदिग्ध मामलों में साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राखी राठौड़ ने किए हाथोज धाम पर दर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने जन्मदिन के अवसर पर हाथोज धाम श्री दक्षिणमुखी बालाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

लहरिया: सावन की पहचान और राजस्थानी संस्कृति का रंग

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सावन का महीना आते ही राजस्थान की गलियों, बाजारों और घरों में एक खास रंग बिखरने लगता है हरा, पीला, गुलाबी और नीले रंगों से बनी लहराती धारियों वाला लहरिया। यह सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि राजस्थान की संस्कृति, आस्था और मौसम का प्रतीक बन चुका है। यह मूल रूप से मेवाड़ राजघराने की महिलाओं के लिए तैयार किया जाता था।

लहरिया की शुरुआत कब हुई?

इतिहासकारों और वस्त्र विशेषज्ञों के अनुसार लहरिया कला लगभग 500-600 साल पुरानी है। माना जाता है कि इसकी शुरुआत जयपुर के राजघरानों में हुई। "लहर" शब्द से बना लहरिया, बारिश के मौसम में बादलों की लहरों और खेतों में लहराती फसलों से प्रेरित है। पहले यह केवल राजपरिवार की महिलाओं तक सीमित था, लेकिन समय के साथ इसने फैशन और लोक प्रियता का रूप बन गया। जयपुर, जोधपुर और कोटा के रंगरेज समुदाय ने इसे एक विशेष पहचान दी। बंधेज और लहरिया को राजस्थान की हस्तशिल्प परंपरा का गौरव माना जाता है।

सावन में लहरिया पहनने का महत्व

सावन को हिंदू धर्म में भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित महीना माना जाता है। इस दौरान महिलाएं 16 श्रृंगार करती हैं और हरे रंग को विशेष महत्व देती हैं।

» **प्रकृति से जुड़ाव :** सावन में चारों ओर हरियाली होती है। हरा, पीला लहरिया प्रकृति की इसी हरियाली और खुशहाली का प्रतीक है।
» **श्रृंगार और सुहाग का प्रतीक:** नवविवाहिताएं और सुहागिन महिलाएं सावन में लहरिया की साड़ी और सूट पहनती हैं। मान्यता है कि हरा रंग सौभाग्य और समृद्धि लाता है।
» **तीज-रक्षाबंधन की परंपरा:** राजस्थान में तीज और रक्षाबंधन पर लहरिया पहनना अनिवार्य जैसा हो गया है। झूले, मेहंदी और घेवर के साथ लहरिया इस त्योहार की शोभा बढ़ाता है।
» **मौसम के अनुकूल:** सूती और हल्के लहरिया कपड़े उमस भरे सावन में आरामदायक भी होते हैं।

आज का लहरिया

पहले सिर्फ साड़ी तक सीमित लहरिया अब सूट, कुर्ती, दुपट्टे, टर्बन और यहां तक कि पुरुषों के कुर्ते में भी दिखता है। कोटा डोरिया लहरिया आज देश-विदेश में अपनी बारीक बुनाई के लिए मशहूर है। फैशन डिजाइनर भी इसे आधुनिक कट के साथ पेश कर रहे हैं।

संक्षेप में कहें तो लहरिया सिर्फ फैशन नहीं है। यह राजस्थान की मिट्टी, सावन की फुहारों और महिलाओं की आस्था की कहानी है जो हर धारी में लहराती है। आज इसे उत्सव (लहरिया उत्सव) के रूप में शामिल किया गया है।

दिव्यांग जन के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन

बालिकाओं को दी दिव्यांगजन के सम्मान व सहयोग की जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। तालुका विधिक सेवा समिति, माउंट आबू के तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, माउंट आबू में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष जागरूकता एवं संवेदनशीलता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एसीजेएम कोर्ट से उत्तम कुमार ने मार्गदर्शक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विद्यालय की अध्यापिका लक्ष्मी वासवानी ने छात्राओं को शिविर के दौरान दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान, समानता और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि दिव्यांगजन भी समाज के समान और सम्मानित नागरिक हैं, जिन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन सहित विभिन्न अधिकार प्राप्त हैं। छात्राओं को विशेष रूप से समझाया गया कि दिव्यांगजनों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव, उपेक्षा, उपहास या अपमानजनक व्यवहार नहीं करना चाहिए। इसके बजाय, उनके साथ सम्मानपूर्वक और सहयोगात्मक व्यवहार करना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

शिविर में अध्यापिका लक्ष्मी वासवानी के द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, समानता का अधिकार, दिव्यांगजनों के संरक्षण एवं कल्याण से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा विधिक सेवा संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्राओं में उनके प्रति सम्मान, समानता तथा संवेदनशील व्यवहार की भावना विकसित करना था। छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि दिव्यांगजनों के प्रति केवल सहानुभूति ही नहीं, बल्कि सम्मान, समानता, सहयोग एवं संवेदनशीलता का भाव रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस अवसर पर छात्राओं को अपने आसपास के दिव्यांगजनों के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

सामाजिक समरसता, सद्भाव और एकता का पावन संदेश लेकर हवामहल पहुँची 'समरसता संकल्प अभियान' की रथ एवं कलश यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संत शिरोमणि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के पावन उपलक्ष्य में वाराणसी से प्रारंभ हुई राष्ट्रव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' की रथ एवं कलश यात्रा का विधानसभा हवामहल में आगमन हुआ। इस पावन अवसर पर हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य महाराज ने श्री ड्योढ़ी बाजार स्थित श्री गोविंद देव जी मंदिर प्रांगण में आयोजित कलश वंदन कार्यक्रम में भाजपा हवामहल परिवार के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ श्रद्धापूर्वक कलश का विधिवत पूजन-अर्चन कर यात्रा का भव्य एवं आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हम सभी संत रविदास जी महाराज के समरसता, समानता और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए संकल्पित हैं। संत रविदास जी महाराज के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक भेदभाव से मुक्त, समरस एवं सशक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

श्रीराम कथा 25 से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधरनगर श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम कृष्णा कॉलोनी नया खेड़ा में 25 अगस्त से होने वाली श्रीराम कथा के भव्य आयोजन के लिए कलश यात्रा निकाली जाएगी।

महंत श्री रामानंद दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम लिए महिलाओं में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। सभी को कूपन वितरित किए गए है। मुकुल सिंह साँचोरा ने कहा कि इस पावन कार्यक्रम में सभी लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। एल एस नगर, बियानी कॉलेज, मॉल रोड़, जगदम्बा कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी होते हुए कलश यात्रा कथा स्थल तक पहुंचेगी।

रेलवे बोर्ड ने दिव्यांगजनों को दी रियायत

वैध यूडीआईडी कार्ड वाले दिव्यांगजन उपनगरीय और साधारण यात्री ट्रेनों के चिह्नित डिब्बों में कर सकेंगे यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पंचकूला। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वैध विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड) रखने वाले दिव्यांगजन उपनगरीय खंडों पर चलने वाली ट्रेनों और साधारण यात्री ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए चिह्नित अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा कर सकेंगे, भले ही उन्हें रेलवे की ओर से किराये में रियायत की सुविधा नहीं दी गई हो।

रेलवे बोर्ड ने कहा कि वर्ष 2026 के वाणिज्य परिपत्र संख्या 11 के तहत पहले वैध यूडीआईडी कार्ड और यात्रा के लिए वैध प्राधिकार रखने वाले दिव्यांगजनों के सामान्य मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के एसएलआरडी/एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों में यात्रा करने के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया गया था। अब जारी परिशिष्ट में उपनगरीय खंडों पर चलने वाली ट्रेनों और साधारण यात्री ट्रेनों के संबंध में स्थिति स्पष्ट की गई है। नए निर्देशों के तहत दिव्यांग जनों की दो श्रेणियों को इन चिह्नित डिब्बों में यात्रा के लिए वैध यात्री माना जाएगा। पहली श्रेणी में वे दिव्यांगजन शामिल हैं, जिन्हें मौजूद दिशा-निर्देशों के अनुसार रियायती किराए की सुविधा दी गई है और जिनके पास निर्धारित प्रारूप में रियायत प्रमाणपत्र या भारतीय रेल द्वारा जारी रेल दिव्यांगजन कार्ड है। दूसरी श्रेणी में वे दिव्यांगजन शामिल हैं, जिनके पास दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी वैध यूडीआईडी कार्ड है, लेकिन जिन्हें रेलवे की ओर से रियायती किराए की सुविधा नहीं दी गई है। ऐसे यात्रियों को भी दिव्यांगजनों के लिए चिह्नित डिब्बों में यात्रा के लिए वैध यात्री माना जाएगा। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि दोनों श्रेणियों के दिव्यांग यात्रियों को वैध पहचान प्रमाण के रूप में, जैसा लागू हो, यूडीआईडी कार्ड, रेल दिव्यांगजन कार्ड या निर्धारित प्रारूप में रियायत प्रमाणपत्र अपने साथ रखना होगा। इसके साथ ही यात्रा करने के लिए वैध प्राधिकार, जैसे यात्रा टिकट या सीजन टिकट, रखना भी जरूरी होगा।रेलवे बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजनों के लिए चिह्नित इन डिब्बों में यात्रा के लिए अधिकृत नहीं होने के बावजूद यदि कोई अन्य यात्री इनमें यात्रा करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ रेल अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान सरकार ने बदला नियम; नए सिरे से तय होगी सड़क की चौड़ाई

शहर के बीच आए पुराने हाईवे, अटके प्लॉटों को मिलेगा पट्टा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहरों के भीतर से गुजरने वाले ऐसे राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग, जो अब शहरी सड़कों का हिस्सा बन चुके हैं, उनके पुराने मार्गाधिकार (राइट ऑफ वे) को अब नए सिरे से तय किया जाएगा। सरकार के इस फैसले का सीधा फायदा उन कॉलोनियों और विकास योजनाओं के भूखंडधारियों को होगा, जिनके भूखंड पुराने राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग की सीमा में आने के कारण नियमन या पट्टे की प्रक्रिया में अटके हुए हैं। नए मार्गाधिकार के हिसाब से ऐसे भूखंडों के पट्टे जारी किए जा सकेंगे। नगरीय निकाय चुनावी सरगर्मियों के बीच नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए। जिसमें स्थानीय एम्पॉवर्ड कमेटी के माध्यम से मार्गाधिकार तय करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक कई शहरों में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के बायपास बन जाने के बाद पुराने मार्ग शहर की सामान्य सड़कों में शामिल हो गए हैं। इसके बावजूद इन सड़कों के लिए पहले तय मार्गाधिकार के आधार पर मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई रखी हुई है। इससे सड़क के दोनों तरफ विकसित भूखंडों के नियमन में दिक्कत आ रही हैं।

निजी या निकाय की जमीन होने पर भी पट्टे

जिन जगहों पर पुराने हाईवे का मार्गाधिकार किसी व्यक्ति या नगरीय निकाय की जमीन में दर्ज है और वहां किसी योजना को मंजूरी नहीं मिली है, ऐसे मामलों में भी नया मार्गाधिकार तय कर पट्टे जारी किए जा सकेंगे। स्थानीय एम्पॉवर्ड कमेटी सड़क का नया मार्गाधिकार तय करेगी। यदि किसी राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग का डी-नोटिफिकेशन हो चुका है, तो मार्गाधिकार बदलने के लिए मास्टर प्लान में संशोधन की जरूरत नहीं होगी।

पुराने ले-आउट भी नए मार्गाधिकार के अनुसार बदलेंगे

जिन कॉलोनियों में पुराने हाईवे की सीमा के कारण कुछ भूखंडों का नियमन नहीं हो पाया या आंशिक रूप से हुआ, वहां अब नए मार्गाधिकार के अनुसार पट्टे जारी किए जा सकेंगे।

पुरानी कॉलोनियों में 70 फीसदी तक पट्टे का रास्ता

सुओ मोटो 90ए के तहत पहले मंजूर ले-आउट वाली और अब पूरी तरह विकसित कॉलोनियों में नए सड़क मार्गाधिकार के हिसाब से ले-आउट में बदलाव किया जा सकेगा। इसके बाद अधिकतम 70 फीसदी विक्रय योग्य क्षेत्र में पट्टे जारी किए जा सकेंगे।

बालोतरा के एक किसान को नशे की लत और भूलने की बीमारी के चलते उसे लाखों का नुकसान हो गया. एक साल पहले जमीन बेचने पर 5 लाख रुपये की रकम मिली थी

दीमक चट कर गई किसान के 5 लाख रुपये, थैली खुली तो सब बर्बाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान के एक किसान को उसकी एक गलती भारी पड़ गई और दीमक उसके लाखों रुपये चट कर गई। बालोतरा जिले के मांगीलाल मेघवाल ने सालभर पहले एक प्लॉट बेचा था और उससे 5 लाख रुपये की रकम मिली। उसने उन पैसों को खेत में दबा दिया। मांगीलाल की नशे की लत और भूलने की बीमारी के चलते पैसों को रखकर भूल गया। यही उसकी बड़ी गलती साबित हुई। फिर उसने काफी ढूंढा, लेकिन उसे पैसे नहीं मिले। आखिर में उसे पत्नी और बेटों को इसकी जानकारी देनी पड़ी, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। जब उसे पैसे मिले तो उसमें दीमक लग चुकी थी।

खेत में गगड्ढा खोदकर छिपा दी थी रकम

मांगीलाल पचपदरा से कुछ दूरी पर स्थित नेवाई गांव में अपने खेत अपनी कच्ची ढाणी में परिवार के साथ रहता है। पचपदरा के प्लॉट को बेचने के बाद वह खेत में कमरा बनाना चाहता था। उसे डर था कि कहीं उसके पैसे चोरी नहीं हो जाए या उसके बेटे यह मोटी रकम खर्च न कर दें। इसी वजह से उसने एक रात 5 लाख रुपये पॉलीथीन में रखे और खेत में गड्ढा खोदकर छिपा दिया। उसने इसके बारे में परिवार को भी नहीं बताया।

10 बीघा खेत में कहां रखे थे पैसे, भूल गया किसान

कुछ समय बाद जब खेत में कमरा बनाने के लिए पैसों की जरूरत हुई तो उसने उन पैसों को बाहर निकलने का सोचा। तब तक वह उस जगह को भूल गया था। काफी दिनों तक जगह-जगह पैसे ढूंढे, लेकिन 10 बीघा के खेत में उसे वह जगह नहीं मिल पाई। जब उसने इसके बारे में अपनी पत्नी व बेटों को बताया तो पहले उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया। मांगीलाल की समझाइश के बाद परिजनों ने पैसों की तलाश शुरू की, लेकिन उन्हें भी पैसे नहीं मिले।

फिर मिले 500-500 के कटे-फटे नोट

करीब सालभर बाद बरसात होने के बाद खेत की बुवाई का काम शुरू हुआ। उसी दौरान, एक रात पैसों की थैली बाहर आ गई, लेकिन रात में अंधेरे के कारण किसी को नजर नहीं आई। सुबह जब उसकी पत्नी व बेटा खेत में तारबंदी सही कर रहे थे, तब उनकी नजर उस थैली पर पड़ी। दोनों ने जब उस कटी-फटी थैली को खोलकर देखा तो उनके होश उड़ गए। थैली में दीमकों के साथ 500-500 के नोट थे, जो दीमक लगने से टुकड़े-टुकड़े हो चुके थे।

बैंक ने नोट बदलने से किया इनकार

नोटों को इकट्ठा कर परिजन पचपदरा स्थित एसबीआई बैंक के दरवाजे पर पहुंचे। नोटों की हालत देखते हुए बैंक ने भी उसे लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद बालोतरा में बैंक की मुख्य शाखा भी पहुंचे और लेकिन वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगी। अब इस मामले में उसके बेटे और पत्नी किसान को कोस रहे हैं।

पशुपालन विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने किया भूमिपूजन एवं शिलान्यास

साण्डेराव में खुलेगा देश का इकलौता 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पशुओं में नस्ल सुधार और उनके संरक्षण की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के एकमात्र एवं प्रथम 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म' के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। यह शिलान्यास पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव साण्डेराव में 200 बीघा भूमि पर स्थापित हो रहे इस सेंटर के प्रशासनिक भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया।

संभंतया यह देश का भी पहला एवं एकमात्र एक्सीलेंस इंडीजिनस सेंटर है, जहां एक साथ गाय, भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट व घोड़े की 30 प्रजातियों के नस्ल सुधार एवं संवर्धन का कार्य होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए राजस्थान सरकार की बजट घोषणा (2025-26) की क्रियान्विति के तहत काम शुरू कर दिया गया है। इस पूरे सेंटर के निर्माण और विकास पर करीब 60 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

कुमावत ने बताया कि करीब दो वर्ष में यह सेंटर पूर्ण रूप से अपना मूर्त रूप ले लगा। यह देश का एकमात्र ऐसा सेंटर होगा, जहां एक साथ गाय, भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट व घोड़े की 30 प्रजातियों के नस्ल सुधार व संवर्धन पर रिसर्च होंगे। उन्होंने बताया कि खासकर उन प्रजातियों पर अधिक फोकस होगा, जो कि राजस्थान की हैं। कुमावत ने बताया कि गाय में गिर, कॉकरेंच, राठी, थारपारकर, साहिवाल, नागौरी, मालवी व हरियाणा नस्ल का सैक्स सोर्टेड सीमन, कृत्रिम गर्भाधान व उन्नत नस्ल के सांड से सुधार व संवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खासकर दुनिया की सबसे छोटी गाय की पुंगनूर प्रजाति के नस्ल सुधार को लेकर भी संरक्षण व संवर्धन के लिए रिसर्च किया जाएगा। मूल रूप् से आंध्रप्रदेश की इस पुंगनूर नस्ल की गाय के पालन को लेकर पशुपालकों में खासा उत्साह है। इसके अलावा भैंस की स्वदेशी प्रजाति- मुर्रा, सूरती, जाफराबादी, मेहसाना, भेड़ की मगरा, मारवाड़ी, नाली, चोकला, पूगल, जैसलमेरी, मालपुरा व सोनाड़ी, बकरी की राजस्थान की प्रजाति- बारबरी, सिरोही, जमनापारी, जखराना, सोजत, मारवाड़ी, ऊंट की प्रजाति- जैसलमेरी व बीकानेरी तथा घोड़े की एकमात्र राजस्थान की प्रजाति मारवाड़ी के नस्ल का संरक्षण व संवर्धन किया जाएगा।

जसोल धाम में एकादशी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

(जसोल) बालोतरा। आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी के पावन अवसर पर जसोल धाम में श्रद्धा, भक्ति और लोक-संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रातःकालीन मंगला आरती के साथ ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम प्रारंभ हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर जसोल धाम में दर्शन लाभ प्राप्त किया और मंगलकामनाएं कीं। दिनभर धाम परिसर श्रद्धालुओं की आस्था और जयकारों से भक्तिमय बना रहा।

इस पावन अवसर पर छप्पन भोग के लाभार्थी रिंकू कंवर, धर्मपत्नी गुलाब सिंह सोढ़ा, उनकी सुपुत्री भूमिका सोढ़ा तथा सुपुत्र विश्वजीत सिंह सोढ़ा एवं लाल बन्ना सिंह सोढ़ा, निवासी बज्जू, बीकानेर रहे। प्रातःकालीन मंगला आरती के उपरांत लाभार्थी परिवार द्वारा जसोल धाम परिसर स्थित समस्त मंदिरों में विधिवत रूप से छप्पन भोग प्रसाद अर्पित किया गया। विविध व्यंजनों से सजे छप्पन भोग के अर्पण के दौरान संपूर्ण धाम परिसर में उत्सव जैसा वातावरण रहा। इस दौरान राजस्थान की लोक-संस्कृति भी देखने को मिली। पारंपरिक गैर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति के साथ स्थानीय दमामियों द्वारा ढोल एवं थाली की पारंपरिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल की गूंज, थाली की मधुर लय और गैर नृत्य के पारंपरिक स्वरूप ने धार्मिक आयोजन में लोक-संस्कृति के रंग भर दिए।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार जमाल खान एवं टीम ने बिखेरा राजस्थानी लोक संगीत का जादू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राज्य के चित्तौड़गढ़ स्थित सैनिक स्कूल ने अपना 66वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया। स्थापना दिवस की संध्या पर स्कूल के शंकर मेनन सभागार में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्कूल कैंपस की प्रथम महिला मोनिका जसरोटिया थीं। कार्यक्रम के संयोजक सी एल भंडारकर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। समारोह के अंतर्गत सांस्कृतिक संध्या में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राजस्थानी लोकगीत कलाकार जमाल खान एवं उनकी प्रतिभाशाली टीम ने अपनी समृद्ध लोक गायन प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध राजस्थानी लोकगीत 'केसरिया बालम पधारो म्हारे देश' की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ। इसके पश्चात कलाकारों ने 'गोरबंद', 'छाप तिलक सब छीनी', 'लड़ली लूमा झूमा', 'घूमर' सहित विभिन्न लोकगीतों की प्रस्तुतियां दीं।

ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र का डीआईसी अधिकारियों ने किया निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। प्रीयांशी एजुकेशनल, कल्चरल एवं सोशल सोसायटी द्वारा मनाल फाउंडेशन के सहयोग से संचालित ब्यूटीशियन एवं हेयर ड्रेसिंग स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम का 5 अगस्त को जिला उद्योग केंद्र के असिस्टेंट डायरेक्टर रोहन शर्मा एवं अधिकारी पूरण जी ने विजिट किया।

अधिकारियों ने प्रशिक्षण गतिविधियों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया तथा उनके कौशल विकास और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को राज्य सरकार की स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ी विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद वे बैंक ऋण एवं सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपना ब्यूटी पार्लर या अन्य स्वरोजगार शुरू कर सकती हैं। अधिकारियों ने पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, सब्सिडी एवं ऋण स्वीकृति प्रक्रिया की जानकारी भी दी। अंत में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर शकीरा बानु ने अधिकारियों का उपरना पहनाकर स्वागत किया। संस्था की प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने संस्था के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में ट्रेनर पूजा मूलचंदानी सहित 42 महिलाएं उपस्थित रहीं।

मौसमी बीमारी से बचाव को लेकर दरगाह परिसर में दवा छिड़काव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़/कपासन। मौसम में बदलाव के कारण फैलने वाली मौसमी बीमारियों, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब की दरगाह में एहतियाती तौर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जायरीनों की सेहत और सहूलियत को प्राथमिकता देते हुए दरगाह वक्फ कमेटी के तत्वाधान में पूरे दरगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों में कीटनाशक दवा का छिड़काव करवाया गया।

दरगाह वक्फ कमेटी के सदर सैयद ऐजाज अली ने जानकारी देते हुए बताया कि मौसम के मिजाज में परिवर्तन के चलते मच्छरों के पनपने और मौसमी बीमारियों के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। हजरत दीवाना शाह की दरगाह में रोजाना दूर दराज से जायरीन अपनी अकीदत के फूल पेश करने और दुआएं मांगने आते हैं। ऐसे में उनकी सेहत की सुरक्षा और उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो,यह कमेटी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जायरीनों की सहूलियत के लिए आने वाले दिनों में भी स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक कड़ा किया जाएगा। पेयजल स्थलों की नियमित सफाई, कचरा निस्तारण और परिसर में जलभराव न होने देने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने दरगाह के अंदर दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपने आसपास सफाई बनाए रखें और पानी जमा न होने दें,ताकि मौसमी बीमारियों से बचाव संभव हो सके। इस दौरान दरगाह वक्फ कमेटी के पदाधिकारी हाजी शराफत हुसैन भाटी, सैयद मुकर्रम अली, मंसूर अहमद ओटवाल, हाजी साबिर हुसैन पुंवार,अकरम मंसूरी, नफीस शेख और दरगाह कर्मचारी इकबाल भाटी उपस्थित रहे,जिन्होंने स्वच्छता और दवा छिड़काव के इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया। दरगाह में पहुंचे जायरीनों ने वक्फ कमेटी के इस जनहितैषी कदम की सराहना की।

खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स प्रशिक्षण का प्रथम बैच समाप्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झालावाड़। केन्द्र के प्रसार शिक्षा वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम सहप्रभारी, डॉ. मौहम्मद युनुस ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा कृषि क्षेत्र में सतत् विकास और उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स के लिए जिले से 35 सदस्यों के प्रथम बैच के प्रशिक्षण 27 जुलाई से 10 अगस्त तक किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में बताया कि वर्तमान में कई घातक रोग जैसे हृदयघात, कैंसर, बी.पी. आदि मानव स्वास्थ्य पर दुष्परिणाम डाल रहे हैं। इन सबके पीछे कृषि में अविवेकपूर्ण तरीके से काम में लिए जा रहे अंधाधुंध रसायनों, उर्वरकों एवं कीटनाशकों का विशेष योगदान है जिसके परिणामस्वरूप मृदा स्वास्थ्य खराब होने के साथ ही इन आदानों का अवशेष प्रभाव हमारी कृषि उत्पादों से होते हुए मानव एवं पशु शरीर में पहुँच रहा है इन परिस्थितियों में यह अति-आवश्यक है कि हम हमारी मृदा के स्वास्थ्य का ध्यान रखें जिसके लिए उसकी समय पर जांच कराकर उसके अनुरूप ही उर्वरक एवं अन्य सिफारिशों का प्रयोग करें ताकि हम इन दुष्प्रभावों से बच सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नरेश कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार), जिला परिषद, झालावाड़ ने बताया कि किसानों तक सही जानकारी पहुँचाने में खुदरा विक्रेताओं की अहम भूमिका होती है। यह प्रशिक्षण उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सशक्त करेगा। साथ ही बताया कि प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त दिया गया जो प्रमाण पत्र उर्वरक विक्रय लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कृषक समुदाय के हित में कार्य करने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. हितेश मुवाल ने बताया कि खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के 15 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स प्रशिक्षण के तहत् जिले के विशिष्ट व्याख्याताओं द्वारा 32 व्याख्यान, 10 प्रायोगिक सत्र एवं एक्पोजर भ्रमण आयोजित किए गए। साथ ही बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य उर्वरकों के सुरक्षित, संतुलित और प्रभावशाली उपयोग के प्रति विक्रेताओं को जागरूक करना है तथा उन्हें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणित तकनीकी ज्ञान से सुसज्जित करना है।

वृक्षारोपण प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-कुलगुरु जैतावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जोधपुर में राज्य सरकार के मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विविध औषधीय एवं छायादार, 201 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम शुरुआत विवि के कुलगुरु प्रो. वीरेंद्र सिंह जैतावत ने अशोक के वृक्ष के रोपण के साथ की। इस मौके पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. एम एम कुमावत भी मौजूद रहे। कुलगुरु प्रोफेसर जैतावत ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन व बढ़ते प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रदेश में वृक्षारोपण को केवल अभियान नहीं बल्कि जन आंदोलन का रूप दिया गया है। इस पहल को ध्यान में रखते हुए कृषि विश्वविद्यालय की ओर से डेढ़ लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर कार्यों का भी शुभारंभ

सांसद व विधायक ने गंगरार क्षेत्र में किया सामुदायिक कार्यों का लोकार्पण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चोगावड़ी पंचायत के सेमलिया गांव में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों को लगभग 4 करोड़ 57 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि गांवों का विकास ही राष्ट्र की प्रगति की मजबूत नींव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेगूं विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। सांसद ने हिंन्दुस्तान जिंक द्वारा सीएसआर के तहत किये जा रहे कार्यों की सराहना की और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में हिन्दुस्तान जिंक के कार्य को अनुकरणीय बताया। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से क्षेत्र को निरंतर लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा सीएसआर के तहत खूंटियां में 20 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन एवं सेमलिया में 45 लाख की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन व जीर्णोद्धार कार्यों का भी लोकार्पण व शिलान्यास किया गया।

स्वामी करपात्री जी महाराज की जयंती पर होगा विद्वत संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में वेद-वेदांग प्रकोष्ठ द्वारा धर्मसम्राट स्वामी कृपापात्री जी महाराज की जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में विद्वत संगोष्ठी, विद्वज्जन सम्मान एवं गौ-पूजन समारोह का आयोजन आदित्य पैराडाइज, मोरीजा रोड, चौमूं में किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री सीताराम जी मंदिर में फाउंडेशन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक पं. ईश्वर दास शर्मा एवं पं. अरुण कुमार शर्मा के सानिध्य तथा प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि समारोह में विद्वज्जनों का सम्मान, विद्वत संगोष्ठी एवं गौ-पूजन सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में डॉ. सी. एम. सैनी, चंद्र प्रकाश शर्मा, नरेंद्र सिंह सोलंकी, सत्य प्रकाश पारीक, ओम प्रकाश रीडर, डॉ. पवन कुमार तिवाड़ी, दिनेश कुमावत, डॉ. सीताराम कुमावत, राधेश्याम जोशी, दामोदर प्रसाद खांडल, रामपाल कुमावत, वैद्य रामविलास शर्मा, श्रीराम बटवाल, मनोज शर्मा, सुशील शर्मा सहित फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म
दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि
☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....
पता : ....
....
फोन .... पिन कोड
राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....
डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →
जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिला रहे आदिवासी अंचल को नई पहचान

टूरिज्म इन ट्राइब्स ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत को विस्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान वर्षों से अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण दुनियाभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसी विरासत को और विस्तार देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय अंचल को भी वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम उठा रही है। इसके तहत स्थानीय पर्यटन स्थलों के विकास के साथ ही प्राकृतिक संपदा, हस्तशिल्प और लोक परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

राज्य सरकार का उद्देश्य केवल पर्यटन को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार के जरिए जनजातीय समाज की आजीविका को बढ़ाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करना है। इसी क्रम में ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में 306 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

100 करोड़ का ट्राइबल टूरिज्म सर्किट

ट्राइबल टूरिज्म सर्किट के तहत 'आदिवासियों का कुंभ' कहे जाने वाले डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम पर 49 करोड़ 40 लाख रुपये और बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम पर 13 करोड़ 41 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, इसमें चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया (मेवाड़ का प्रयाग), प्रतापगढ़ के सीतामाता अभयारण्य, गौतमेश्वर महादेव मंदिर, बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर और उदयपुर के ऋषभदेव मंदिर को भी शामिल किया गया है।

महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट में एकीकृत होगा इतिहास

ऐतिहासिक विरासत को एकीकृत करने के लिए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के विकास पर 206 करोड़ रुपये से अधिक व्यय किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें चावण्ड, हल्दीघाटी, गोगुन्दा, कुम्भलगढ़, दिवेर और उदयपुर को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा डूंगरपुर में शिल्पग्राम और चित्तौड़गढ़ में हेरिटेज वॉक-वे निर्माण के साथ ही गोगुन्दा में बाईजी की बावड़ी, उदयपुर में करणी माता मंदिर तथा नीमच माता मंदिर जैसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास कार्य भी प्रगति पर हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष कार्ययोजना के साथ आदिवासी अंचल में काम किया जा रहा है। आदिवासियों की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित, संरक्षित और संवर्धित करने के लिए 'सौंध माटी आदि धरोहर प्रलेखन योजना' भी चलाई जा रही है। इसके तहत जनजाति वाद्य यंत्र, पाककला, चित्रकारी, भित्ति चित्र, काष्ठ और प्रस्तर कला, नृत्य एवं गायन का प्रलेखन (डॉक्यूमेंटेशन) कार्य प्रक्रियाधीन है।

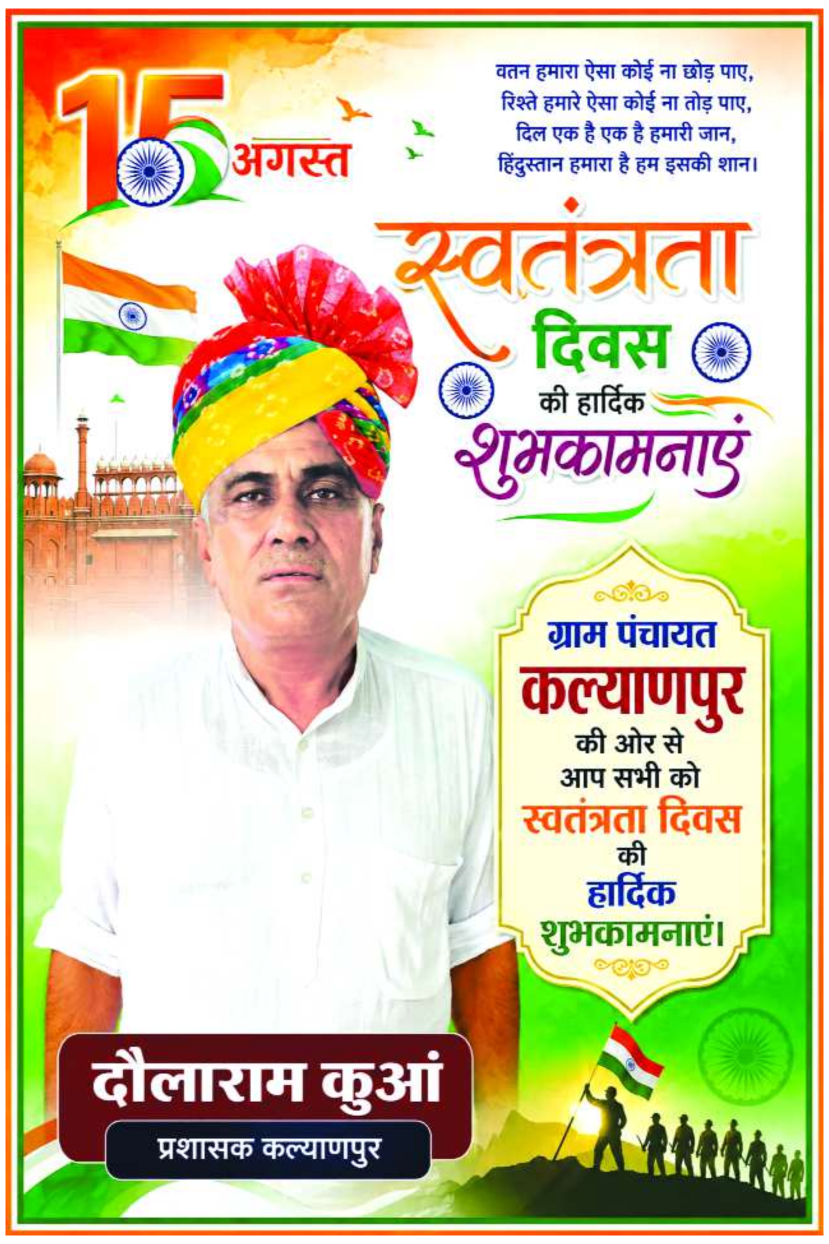

कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज की बैठक : 'रिफॉर्म उत्सव' बनेगा सुशासन, प्रक्रियागत सुधार और बेहतर सेवा प्रदायगी का माध्यम

प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाएं

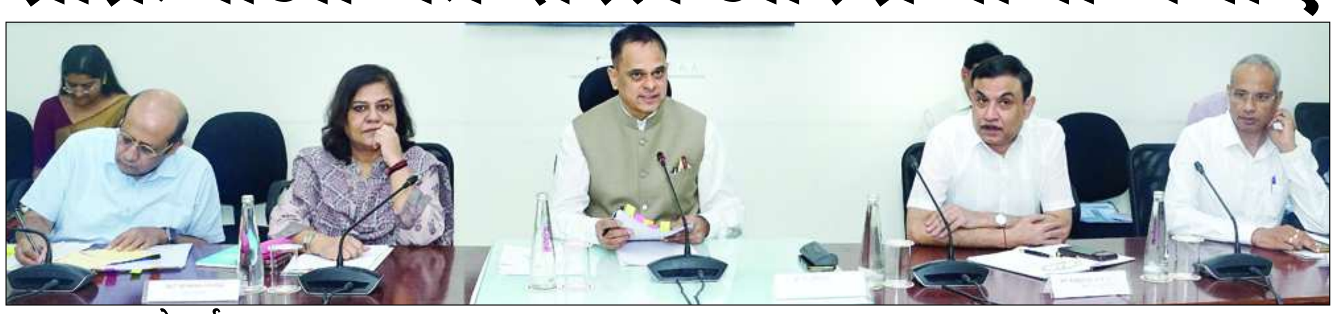

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज (CoS) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में रिफॉर्म उत्सव, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में व्यय, हर घर तिरंगा अभियान-2026, जन-अभियोग निस्तारण एवं राजस्थान सम्पर्क 181 तथा मिशन हरियालो राजस्थान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में आयोजित होने वाला 'रिफॉर्म उत्सव' जनभागीदारी से शासन व्यवस्था में सुधार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आमजन के अनुभवों और सुझावों को आधार बनाकर प्रक्रियाओं को सरल तथा सेवा प्रदायगी को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाया जाए। सभी विभाग ऐसे नीतिगत एवं प्रक्रियागत सुधारों की पहचान करें, जिनसे बड़ी संख्या में नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिले और सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान हो। मुख्य सचिव ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव के तहत 'जन मंथन, विमर्श और जन समाधान' की चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त उपयोगी सुझावों को व्यावहारिक सुधारों में बदला जाएगा।

राज्य कार्ययोजना 10 सितंबर तक तैयार कर प्रस्तुत की जाएगी, 11 सितंबर से जन-जागरूकता अभियान शुरू होगा तथा 2 अक्टूबर को प्रदेश की प्रत्येक पंचायत में 'जन मंथन सभा' आयोजित कर आमजन को सुधार प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना विभाग रिफॉर्म उत्सव का नोडल विभाग होगा। जिलों के प्रभारी सचिव तैयारियों की नियमित समीक्षा करते हुए केन्द्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से समन्वय सुनिश्चित करेंगे। युवा मामले विभाग के माध्यम से युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव ने सरकारी प्रक्रियाओं को और सरल बनाने के लिए एकल आवेदन प्रपत्र (सिंगल फॉर्म) विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित केंद्रीय स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने और महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में डी.ओ. लेटर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से अपडेट करने, उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर भेजने तथा केन्द्र से स्वीकृति के बाद राज्यांश शीघ्र जारी करने को कहा।

हर घर तिरंगा- 21 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी

मुख्य सचिव ने हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत 9 से 17 अगस्त तक आयोजित गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 9 अगस्त को 12 हजार 609 प्रभात फेरियों में 11.20 लाख से अधिक तथा 10 अगस्त को 12 हजार 917 तिरंगा रैलियों में 9.84 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस प्रकार दो दिनों में ही 21 लाख से अधिक लोगों की सहभागिता रही। पोर्टल पर 40 हजार से अधिक सेल्फी भी अपलोड की जा चुकी हैं।

प्रदेश में लौटा मानसून, 48 घंटे होगी जोरदार बारिश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मानसून का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग ने दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी राजस्थान में आगामी 48 घंटे भारी बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ लाइन आज बीकानेर व कम दबाव के क्षेत्र से होकर गुजर रही है। इसकी वजह से पिछले 24 घंटों में प्रदेश के पूर्वी हिस्से में कई जगह भारी से अति भारी बारिश दर्ज की गई है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने कोटा, उदयपुर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश होने की संभावना जताई थी। आज जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, व जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

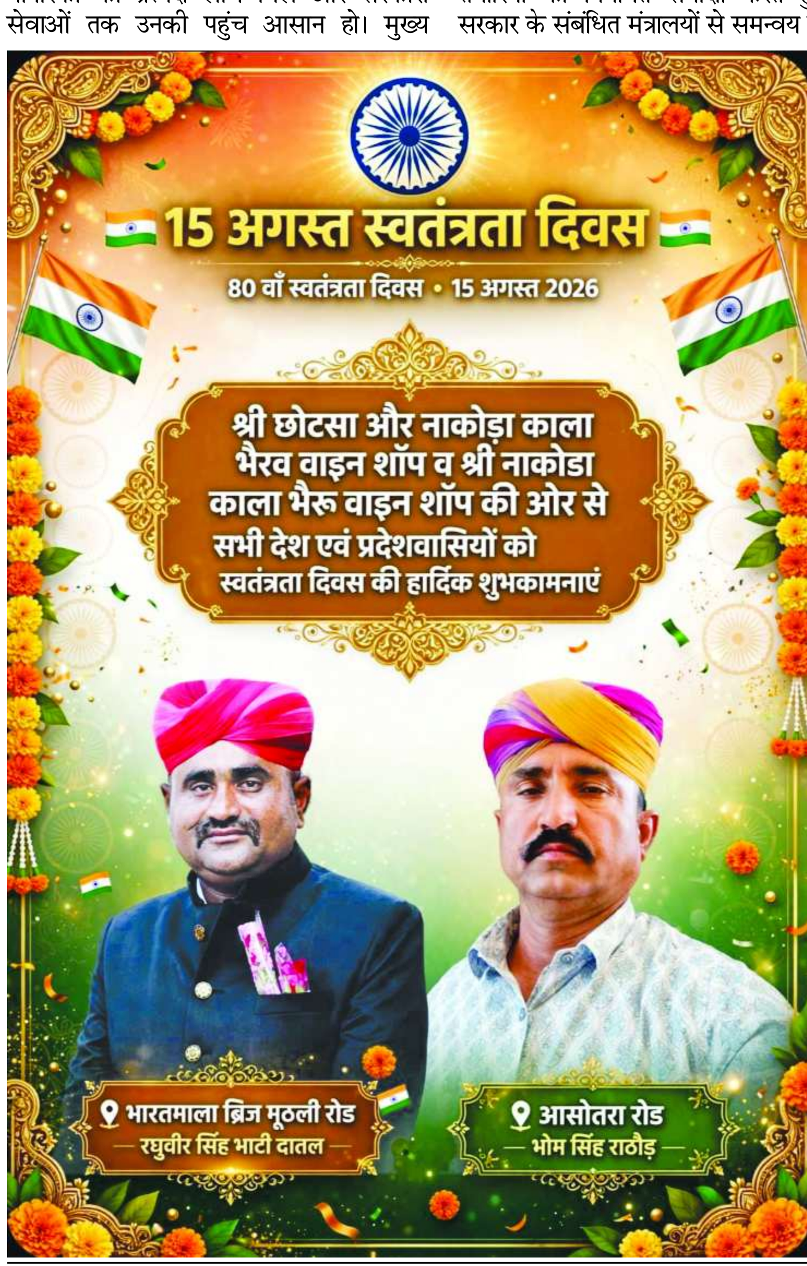

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

अजा, अजजा के विरुद्ध मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री की सराहना

सामाजिक न्याय हमारी नीतियों की आत्मा-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार और समाज के बीच निरंतर संवाद पर बल देते हुए इसे नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में कारगर बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय को नीतियों की आत्मा और योजनाओं का सार मानते हुए राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना से कार्य कर रही है, जिससे वंचित वर्गों का अभूतपूर्व उत्थान हो रहा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए सरकार की नीतियों और योजनाओं को धरातल तक पहुंचाया और जनसेवा की है। अधिकारी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं, लेकिन सामाजिक जिम्मेदारियों से कभी नहीं। उनका दायित्व है कि वे वर्षों के प्रशासनिक अनुभव, जमीनी परिस्थितियों के व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव का उपयोग करते हुए युवाओं को मार्ग दिखाएं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारी समाज के प्रेरणा स्रोत हैं और समाज उनके अनुभव एवं कार्यों का अनुकरण करता है। ऐसे में विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में उनका सहयोग और मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार स्थानीय आवश्यकताओं और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास का रोडमैप बनाकर पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य सहित बुनियादी सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना एवं यमुना जल समझौते जैसे महत्वपूर्ण कार्य डबल इंजन सरकार की इच्छाशक्ति का परिणाम हैं। हमारी सरकार ने ढाई वर्ष में 12 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन की उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट और पंच गौरव जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

बाबा साहेब अंबेडकर आदर्श ग्राम विकास योजना से प्रशस्त हो रहा गांवों का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों में वंचित वर्ग की आबादी हेतु सड़क, पेयजल, वेस्?ट मैनेजमेंट आदि के विकास के लिए बाबा साहेब अंबेडकर आदर्श ग्राम विकास योजना के तहत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत करीब सवा चार लाख और अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 4 लाख 30 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

हिंदुस्तान जिंक के 62 प्रतिशत कर्मचारी 26.3 प्रतिशत जेंडर विविधता के साथ 35 वर्ष से कम आयु के

हिंदुस्तान जिंक में युवा नेतृत्व को बढ़ावा, 35 वर्ष से कम उम्र के 10 प्रतिशत कर्मचारी लीडरशिप रोल में

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक ने बताया कि कंपनी में युवा प्रतिभाएं तेजी से नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ रही हैं। आज कंपनी के कुल कर्मचारियों में लीडरशिप रोल के 10 प्रतिशत की उम्र 35 वर्ष से कम है। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादक कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान जिंक युवा प्रोफेशनल को निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में अवसर देकर उद्योग का भविष्य गढ़ रही है। कंपनी के 62 प्रतिशत कर्मचारी 35 वर्ष से कम आयु के हैं, जबकि जेंडर विविधता 26.3 प्रतिशत है। युवा कर्मचारी खनन, विनिर्माण, तकनीक, सस्टेनेबिलिटी और बिजनेस नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। नई पीढ़ी की सोच, तकनीक के बेहतर उपयोग और नवाचार की क्षमता पारंपरिक उद्योगों को अधिक आधुनिक, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार बना रही है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में हिंदुस्तान जिंक ने लगभग 700 युवा प्रोफेशनल की नियुक्ति की है। इनमें वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 335 कैंपस हायर शामिल हैं, जिन्हें कंपनी के वीएलडीपी, जीईटी, पीजीईटी और एमटी कार्यक्रमों के माध्यम से देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों से चुना गया। कंपनी इन युवा प्रतिभाओं को ईकोज़ ऑफ टूमारो नाम से पहचान देती है, जो उद्योग के भविष्य को आकार देने में उनकी सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि, भविष्य का उद्योग उस पीढ़ी द्वारा आकार दिया जाएगा जो नई सोच रखती है, परंपराओं को चुनौती देती है और तकनीक व सस्टेनेबिलिटी को विकास का आधार मानती है। हिंदुस्तान जिंक में हमारा प्रयास है कि युवा पेशेवरों को नेतृत्व करने, नवाचार करने और बड़े स्तर पर प्रभाव पैदा करने के अवसर मिलें। जैसे-जैसे हम तकनीक-आधारित, सस्टेनेबल और विविधतापूर्ण संगठन के रूप में आगे बढ़ रहे हैं, हम ऐसे लीडर्स को तैयार करना चाहते हैं जो न केवल कंपनी का भविष्य तय करें बल्कि भारत की औद्योगिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दें। हिंदुस्तान जिंक में जेन-जी और मिलेनियल्स आधुनिक तकनीकों पर आधारित संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनमें रिमोट ब्लास्टिंग, टेली-रिमोट उपकरण संचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑपरेशनल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, ऑटोमेटेड प्रक्रियाएं और डिजिटल कंट्रोल रूम शामिल हैं। कंपनी डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन के माध्यम से सभी कर्मचारियों को समान और बेहतर कार्य अनुभव प्रदान करने पर लगातार काम कर रही है। कंपनी कर्मचारियों के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास को समर्थन देने के लिए कई प्रगतिशील नीतियां लागू कर रही है। इनमें नाइट शिफ्ट के अवसर, लचीले कार्य समय, स्पाउस हायरिंग, बच्चों की देखभाल के लिए एक वर्ष तक का सब्बैटिकल और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाली अवकाश नीतियां शामिल हैं। इसके साथ ही हिंदुस्तान जिंक कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में काम करने और नई भूमिकाएं अपनाने के अवसर भी प्रदान करती है।

हरियालो राजस्थान के तहत यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में किया गया वृक्षारोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के कुल 36 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र का विस्तार तथा विद्यार्थियों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। इस अवसर पर कुलगुरु ने कहा कि हरियालो राजस्थान जैसे अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ-साथ भावी पीढ़ी को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। होम्योपैथिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ गौरव नागर की उपस्थिति में होम्योपैथिक फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव खन्ना एवं सहायक आचार्य डॉ. ऋषिकेश आचार्य ने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाले समय में छाया, फल एवं प्राणवायु प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं स्नातक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए होम्योपैथी कॉलेज परिसर के समीप पौधों का रोपण किया। विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश देते हुए "पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण" की भावना को मजबूत किया।

हीरा की ढाणी में फॉलोअप ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित

बालोतरा @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत हीरा की ढाणी में मंगलवार को फॉलोअप ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करते हुए उन्हें सरकार की योजनाओं एवं विभागीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध करवाया गया। शिविर में राजस्व विभाग की ओर से 8 नामांतरण, एक सीमाज्ञान, एक सहमति विभाजन तथा चार खातेदारों से संबंधित कार्य किए गए। पंचायतीराज विभाग की ओर से विभिन्न योजनाओं से संबंधित 6 प्रकरणों में कार्यवाही की गई, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 5 प्रकरणों में अंतिम किश्त की कार्यवाही की गई। पशुपालन विभाग की ओर से पशुपालकों से संबंधित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई गईं। विभागीय सेवाओं का 24 पशुपालक लाभार्थियों ने लाभ लिया। चिकित्सा विभाग की टीम ने शिविर में 30 वर्ष से अधिक आयु के 60 लोगों की एनसीडी स्? ीनिंग की। इस दौरान बीपी एवं शुगर की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर प्रभारी गिड़ा तहसीलदार रमेश कुमार डऊकिया एवं विकास अधिकारी खुमाराम सारण के निर्देशन में शिविर का संचालन किया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार किशनाराम, ग्राम पंचायत प्रशासक रामू देवी सियाग, ग्राम विकास अधिकारी दर्शन सिंह गुर्जर, पटवारी मोहर सिंह, पंचायत समिति सदस्य गोकल राम गोदारा, प्रहलाद राम डेलू, राकेश सैनी, मांगीलाल बामणिया, दिनेश सियाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फसल बीमा पॉलिसियों का जांच के बाद ही होगा अनुमोदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत फसल बीमा पॉलिसियों के अनुमोदन से पहले सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश खरीफ 2026 से लागू होंगे। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि गैर-ऋणी किसानों की फसल बीमा पॉलिसियों का सत्यापन निर्धारित निर्देशों के अनुसार ही किया जाएगा। इसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित अधिसूचित बीमा कंपनी का होगा। उन्होंने बताया कि ऋणी किसानों की पॉलिसी सृजित करते समय किसानों की सहमति नहीं लेने तथा वास्तविक बोई गई फसल का बीमित फसल से मिलान न होने के कारण क्लेम भुगतान के समय विवाद उत्पन्न होते हैं। इसका समाधान पॉलिसी अनुमोदन के समय ही फसल का सत्यापन करके किया जाना आवश्यक है। परिचालन मार्गदर्शिका 2023 के प्रावधानों के अनुसार इंश्योरेबल इंटरेस्ट का सत्यापन बीमा कंपनी का दायित्व होगा। किसान के आवेदन, बोई गई फसल का मिलान तथा भूमि रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद ही पॉलिसी का अनुमोदन किया जाएगा।

नीरज त्यागी द्वारा समीक्षा : काव्य संग्रह

"माँ फूलों में" : माँ, ममता, मानवीय संवेदना और जीवन-संघर्ष

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। काव्य-संग्रह "माँ फूलों में"। कवयित्री चन्द्रकान्ता सिवाल 'चन्द्रेश' का प्रथम काव्य-संग्रह है, जिसका मूल

स्वर माँ, ममता, मानवीय संवेदना और जीवन-संघर्ष है। संग्रह में गीत, कविता, ग़ज़ल, दोहे, मुक्तक, हाइकु, माहिया, बाल-कविता, ताँका आदि अनेक काव्य-विधाओं का समावेश है। अनुक्रमणिका के आधार पर "माँ फूलों में" में कुल लगभग 74 रचनाएँ संकलित हैं। इनमें केवल कविताएँ ही नहीं, बल्कि अनेक काव्य-विधाएँ सम्मिलित हैं।

इनका मोटा वर्गीकरण इस प्रकार है–

* कविताएँ और गीत - लगभग 40
* दोहे - 11 मुक्तक - 4 हाइकु -6
* वर्ण पिरामिड - 3 माहिया - 3
* बाल कविताएँ/बालगीत - 4
* ताँका - 1 चौपाई - 1 ग़ज़लें - 2

इस प्रकार संग्रह में विविध काव्य-विधाओं का सुंदर समावेश है, जिससे यह एक बहुविधात्मक काव्य-संग्रह बन जाता है।

1. **विषय-वस्तु :** इस संग्रह का केन्द्रीय भाव 'माँ' है। कवयित्री अपनी दिवंगत माँ को स्मृतियों, प्रकृति, फूलों, मंदिरों और जीवन के प्रत्येक कोमल अनुभव में खोजती हैं। समर्पण-पृष्ठ से ही स्पष्ट हो जाता है कि यह पुस्तक केवल साहित्यिक रचना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक ऋण-स्वीकार करती है । आरंभिक कविता "माँ फूलों में" में माँ की अनुपस्थिति को प्रकृति की उपस्थिति से जोड़ने का प्रयास अत्यंत मार्मिक है– "माँ तुम कौन से फूल में छिपी हो, मैं तो हर फूल में ढूँढ़ती हूँ-" यह कविता पूरे संग्रह की आत्मा बन जाती है।

2. **भाव-पक्ष :** कवयित्री का सबसे बड़ा गुण उनकी सहज संवेदनशीलता है। वे कृत्रिम बौद्धिकता का सहारा नहीं लेतीं। उनकी कविता सीधे हृदय से निकलकर पाठक के हृदय तक पहुँचती है। माँ, वृद्धजन, स्त्री, बचपन, प्रकृति और सामाजिक विसंगतियों पर उनकी दृष्टि करुणा और आशा दोनों से भरी है। उदाहरण के लिए "फ़रिश्ते की दुआ" जैसी कविता एक बालक के माध्यम से मानवीय संवेदना का प्रभावी चित्र प्रस्तुत करती है
3. **शिल्प और भाषा :** भाषा सरल, सहज और बोलचाल के निकट है। यही इस संग्रह की सबसे बड़ी शक्ति है। कहीं-कहीं ब्रज, लोकभाषा और उर्दू शब्दों का प्रयोग रचनाओं को आत्मीयता देता है। गीतों में लय है, दोहों में संक्षिप्तता है और हाइकु में क्षण-बोध उपस्थित है। इससे स्पष्ट होता है कि कवयित्री ने अनेक काव्य-विधाओं में अभ्यास किया है।
4. **विविधताः** संग्रह का एक उल्लेखनीय पक्ष इसकी विधागत विविधता है। केवल भावुक कविताएँ ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, स्त्री-विमर्श, राष्ट्रभाव, प्रकृति, अध्यात्म और लोकजीवन से जुड़ी रचनाएँ भी इसमें हैं। विषय-विस्तार संग्रह को एकरस नहीं होने देता।
5. **सामाजिक दृष्टि :** "अस्तित्व की लड़ाई", "वो पद की महिमा गाता है", "ये हैं हमारे बुज़ुर्गवार" जैसी रचनाएँ बताती हैं कि कवयित्री केवल निजी भावभूमि तक सीमित नहीं रहतीं; वे सामाजिक विडम्बनाओं पर भी स्पष्ट दृष्टि रखती हैं।
6. **सीमाएँ -** पहले काव्य-संग्रह होने के कारण कुछ स्थानों पर–

» कुछ बिंब और भाव बार-बार लौटते हैं।
» कुछ कविताओं में संपादन और कसावट की गुंजाइश दिखाई देती है।
» कहीं-कहीं छंद और लय थोड़ी ढीली पड़ती है।
» प्रतीकात्मकता की अपेक्षा भावाभिव्यक्ति अधिक प्रत्यक्ष है।

ये कमियाँ रचनाओं की आत्मीयता को कम नहीं करतीं, बल्कि आगे की सर्जनात्मक यात्रा की संभावनाओं की ओर संकेत करती हैं।

समग्र मूल्यांकन : "माँ फूलों में" एक ऐसी काव्य-कृति है जिसकी सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी ईमानदार संवेदना है। यह संग्रह पाठक को चमत्कृत करने के बजाय भाव-विभोर करता है। इसमें साहित्यिक कौशल से अधिक जीवन का अनुभव और आत्मीयता बोलती है। माँ को समर्पित रचनाएँ विशेष रूप से स्मरणीय हैं और सामाजिक सरोकारों वाली कविताएँ संग्रह को व्यापक आयाम प्रदान करती हैं।

यह संग्रह उन पाठकों के लिए विशेष रूप से पठनीय है जो संवेदनशील, सरल और जीवन-समीप कविता का रस लेना चाहते हैं। प्रथम कृति होने के बावजूद इसमें एक सशक्त कवयित्री की संभावनाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। इस संग्रह के उपलब्ध अनुक्रम और प्रारम्भिक रचनाओं को देखते हुए, प्रत्यक्ष रूप से बौद्ध दर्शन पर कोई कविता नहीं दिखती, लेकिन कुछ रचनाएँ अपने भाव और चिंतन के कारण बौद्ध दृष्टि के अत्यंत निकट प्रतीत होती हैं।

सबसे निकट मुझे ये रचनाएँ लगती हैं:-

1. **"अस्तित्व की लड़ाई"** – यह कविता अहं, संघर्ष, वर्चस्व और मानवता के प्रश्न उठाती है। अंत में कवयित्री पूछती हैं कि क्या अस्तित्व की यह लड़ाई समता का निर्माण कर पाएगी। यह प्रश्न बौद्ध करुणा, समता और अहिंसा की ओर संकेत करता है।
2. **"मौन"** – शीर्षक से ही यह बौद्ध साधना के मौन, आत्मनिरीक्षण और अंतर्दृष्टि की याद दिलाता है। अनुर्‍ मणिका में यह रचना सम्मिलित है
3. **"जीवात्मा"** – यद्यपि शीर्षक वैदिक शब्दावली का है, पर यदि इसमें आत्मचिंतन, जीवन की क्षणभंगुरता और मोह से मुक्ति का भाव है, तो इसकी तुलना बौद्ध चिंतन से की जा सकती है।
4. **"मन हल्का होता है"** – यदि कविता त्याग, क्षमा या आसक्ति छोड़ने की बात करती है, तो उसका भाव बौद्ध उपशम और अनासक्ति के निकट होगा।

जो कविता सबसे अधिक बौद्ध दृष्टि के निकट है

"अस्तित्व की लड़ाई"। क्योंकि इसमें शक्ति-संघर्ष की आलोचना है, मानवता की चिंता है और समता की आकांक्षा है–ये तीनों बौद्ध दर्शन के मूल तत्त्वों से मेल खाते हैं।

यदि आपका उद्देश्य उपनिषद, बौद्ध दर्शन और इस काव्य-संग्रह का तुलनात्मक अध्ययन करना है, तो मैं पूरे संग्रह में से 10ङ्क15 ऐसी रचनाएँ चुनकर बता सकता हूँ जो बौद्ध दर्शन (अनित्यता, करुणा, अनासक्ति, दुःख, मैत्री) के सबसे निकट हैं।

सबसे निकट कौन-सी कविता है?

1. **"अस्तित्व की लड़ाई"**- यह कविता कहती है कि प्रत्येक जीव अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करता है, लेकिन इस संघर्ष में मानवता और दूसरों के अधिकारों का हनन होने लगता है। अंत में समता का प्रश्न उठाया गया है। यह बौद्ध दर्शन के लोभ, द्वेष और अहंकार के त्याग तथा सम्यक दृष्टि की ओर संकेत करता है।
2. **"काल कोठरी"**- यह कविता संसार की उपलब्धियों और वैभव के बीच अपने मूल संबंधों को भूल जाने की विडम्बना दिखाती है। बुद्ध ने भी तृष्णा को दुःख का कारण बताया है। इस दृष्टि से यह कविता बौद्ध चिंतन के बहुत निकट है।
3. **"फ़रिश्ते की दुआ"**- यदि बौद्ध धर्म का एक शब्द चुनना हो तो वह है करुणा। यह कविता उसी करुणा को सहज मानवीय अनुभव के रूप में प्रस्तुत करती है।

एक महत्वपूर्ण बात

इस संग्रह का मूल आधार मातृत्व, स्मृति और मानवीय संवेदना है। इसलिए यह प्रत्यक्ष रूप से बौद्ध काव्य नहीं है, लेकिन इसकी कई रचनाएँ बौद्ध नैतिकता (करुणा, समता, अहिंसा, अनासक्ति) के निकट पहुँचती हैं।